रोहतक
रविवार 31 मई 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष,
पूर्णिमा वर्ष : 30, अंक : 116
पृष्ठ 14 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 37.8
न्यून. 20.9

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

हिसार की अंतिम ने मीनाक्षी को हरा टीम में जगह बनाई

एशियन गेम्स ट्रायल्स के फाइनल में अंतिम पंघाल(53 किग्रा) ने मीनाक्षी को 3-2 से हराकर भारतीय टीम में जगह बनाई और हाल में एशियाई चैंपियनशिप के ट्रायल्स में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला चुकता किया। मीनाक्षी ने हारने के बाद मैट चेयरमैन से बहस की जिससे उन्हें उनके बर्ताव के लिए लाल कार्ड दिखाया गया। बता दें कि इससे पहले विनेश को हराने वाली 25 साल की पहलवान मीनाक्षी गोयत जींद के गांव चाबरी गांव की रहने वाली हैं। यह गांव जुलाना विधानसभा के अंतर्गत ही आता है। यहीं से विनेश कांग्रेस विधायक हैं।

53 किलो वर्ग में खेलीं विनेश

ट्रायल के दौरान विनेश को पहले 50 किलोग्राम वर्ग में खेलने को कहा गया, जिस पर उन्होंने विरोध जताया। विवाद के बाद डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह के हस्तक्षेप से उन्हें 53 किलोग्राम वर्ग में उतरने की अनुमति मिली।

मैं वापस आऊंगी

मुझे नहीं लगता कि मैं असफल हुई हूं। मैं पूरी व्यवस्था से लड़ रही थी। हमें हर अंक के लिए लड़ना पड़ा। मेरे साथ सही बर्ताव नहीं हुआ। मुझे प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों से कोई द्वेष नहीं है। उन्होंने भी मेरे खिलाफ खेलने का सपना देखा था। मैं वापिस आऊंगी।

-विनेश फोगाट,
स्टेडियम से रवाना होते समय

खबर संक्षेप

सीबीएसई पोर्टल पर साइबर हमला हुआ

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के

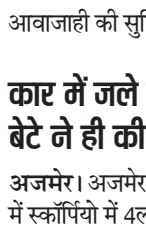

पुनर्मूल्यांकन पोर्टल की भुगतान प्रणाली पर साइबर हमला हुआ और लगभग 50 छात्र प्रभावित हुए। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक सूत्र ने बताया, पोर्टल पर कुछ लोगों ने अनधिकृत पहुंच हासिल कर ली। भाषा

27 और हवाई अड्डों पर डिजीयात्रा सुविधा जल्द

नई दिल्ली। यात्रियों के लिए हवाई अड्डों पर प्रवेश प्रक्रिया को तेज और

सुगम बनाने वाली डिजीयात्रा सुविधा अगले साल तक 27 और हवाई अड्डों पर उपलब्ध करा दी जाएगी। नागर विमानन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। चेहरे की पहचान तकनीक (एफआरटी) आधारित डिजीयात्रा के जरिये यात्रियों को संपर्करहित और निर्बाध आवाजाही की सुविधा मिलती है।

कार में जले मिले 4 शव बेटे ने ही की हत्या

अजमेर। अजमेर जिले के बोराड़ा में स्कॉर्पियो में 4लोगों के जले हुए

शव मिलने का मामला पारिवारिक हत्याकांड के रूप में सामने आया है। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर कुछ ही घंटों में मामले का खुलासा कर दिया। मृतक पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी के 17 वर्षीय बेटे ने मां और बहन के साथ अंजाम दिया था।

पूर्व अमेरिकी मेयर चीन की सीक्रेट एजेंट निकलीं

लॉस एंजेलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया के अर्कोडिया शहर

की पूर्व मेयर एलीन वांग ने अदालत में गुनाह कबूल कर लिया है। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं।

भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। भारत ने वैश्विक डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की रेस में

जर्मनी, फ्रांस, जापान, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। 'स्टेट ऑफ इंडियाज डिजिटल अर्थव्यवस्था' 2026 की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है।

भगवान के लिए सब बराबर मंत्रियों का इंतजार नहीं

नई दिल्ली। मद्रास हाई कोर्ट ने हिंदू मंदिरों में पैसे देकर होने वाले वीआईपी दर्शन को पूरी तरह गलत और भेदभावपूर्ण बताया है। कोर्ट तर्क दिया कि चर्च और मस्जिदों में ऐसी कोई प्रथा नहीं अपनाई जाती, तो फिर मंदिरों में ऐसा क्यों हो? जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस वी. लक्ष्मीनारायणन की वैकेशन बेंच ने कहा कि मंत्रियों और विधायकों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे किसी भी समय मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं व भगवान उनका इंतजार कर रहे होंगे।

एशियन गेम्स ट्रायल

सेमीफाइनल में **6-4** से हारकर फोगाट बाहर, वापसी का सपना टूटा

जींद की मीनाक्षी ने विनेश को दी पटखनी

53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति मिली
दूसरे गेम में विनेश के पति की रेफरी से कहासुनी, हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती में शनिवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित एशियन गेम्स ट्रायल्स के सेमीफाइनल में दिग्गज महिला पहलवान विनेश फोगाट को हार का सामना करना पड़ा। विनेश को युवा रेसलर मीनाक्षी गोयत ने महिलाओं 53 किलो भारवर्ग के मुकाबले में 6-4 से हरा दिया। इस हार के साथ विनेश का एशियन गेम्स 2026 में जगह बनाने का सपना भी टूट गया। हालांकि मुकाबले के बाद उनका रिएक्शन सबसे ज्यादा चर्चा में आ गया। हार के तुरंत बाद विनेश मैट से बाहर गईं, लेकिन कुछ ही पलों बाद वह दोबारा लौट आईं। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह की तरफ इशारा करते हुए कहा, 'मैं वापस आऊंगी।' विनेश का ये रिएक्शन तेजी से वायरल हो रहा है।

ऐसे चले विनेश के मुकाबले

- **पहला :** विनेश का मुकाबला हिसार की ज्योति सिहाग से हुआ, जिसमें उन्होंने ज्योति को 7-1 से हराया। ज्योति जूनियर वर्ल्ड कप की गोल्ड मेडलिस्ट रह चुकी हैं।
- **दूसरा :** दूसरा मुकाबला जींद की नीशू से हुआ, जिसे उन्होंने 7-6 से हराकर जीत दर्ज की।
- **तीसरा :** विनेश को युवा रेसलर मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हरा दिया।

दूसरा मुकाबला दो बार रुका

शुरूआत में नीशू ने विनेश को पटखनी देकर पांच अंक हासिल किए। इसके बाद विनेश ने नीशू को पटखनी देकर चार अंक बटोरे। इस दौरान रेफरी से विनेश और उनके पति सोमबीर राठी की कहासुनी हो गई। आपत्ति के बाद मैच थोड़ी देर के लिए रोका गया। इसके बाद शुरू हुए मुकाबले में विनेश ने शानदार पटकनी देते हुए बढ़त बनाई। विनेश के 6 और नीशू के 5 अंक हो गए थे। अंतिम 59 सेकेंड में मुकाबला 6-6 की बराबरी पर आ गया, जिसे लेकर हंगामा शुरू हो गया। आखिरी अंक के लिए नीशू ने चुनौती दी, लेकिन मैट चेयरमैन और जज ने खारिज कर दिया। इसके बाद रेफरी ने विनेश को 7-6 से विजेता घोषित किया। इससे नाराज नीशू ने विनेश से हाथ तक नहीं मिलाया।

अंधड़ और बारिश में धुली नौतपे की गर्मी

अधिकतम पारा 8.9 और न्यूनतम 2.6 डिग्री तक लुढ़का, गर्मी से राहत

कई जिलों में पेड़ व खंभे टूटे, बिजली गुल, हिसार में दिन में ही छाया अंधेरा

मौसम विशेषज्ञ बोले, आज भी पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

प्रदेश में शनिवार को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते मौसम ने अचानक करवट ली। इससे कई जिलों में दिन में ही अंधेरा छा गया और आंधी के बाद हल्की बूंदाबांदी हुई। पंचकूला, फतेहाबाद, गुरुग्राम, करनाल, पानीपत, हिसार, हांसी, जींद, सोनीपत और सिरसा समेत कई क्षेत्रों में हुई हल्की से मध्यम बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अंधड़ और बारिश ने नौतपे की गर्मी को धो दिया। दो दिन से बदले मौसम ने गर्मी से राहत दिलाई है। प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य से 8.9 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया। वहीं, न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया है। उधर, तेज अंधड़ के चलते कई इलाकों में बिजली के खंभे गिरने से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। कई स्थानों पर सड़कों पर पेड़ गिर गए और आवागमन पर असर पड़ा। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को भी प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिलेगा।

प्रदेश में 22 जून को आ सकता है प्री-मानसून

दक्षिण-पश्चिम मानसून अंडमान में समय से पहले पहुंच गया था, लेकिन केरल के तट पर इसके आगे बढ़ने की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है। अनुमान है कि उत्तर भारत और हरियाणा में प्री-मानसून 22 जून से 25 जून के आसपास दस्तक दे सकता है। जून के तीसरे सप्ताह से राज्य में प्री-मानसून की गतिविधियां तेज होने लगेंगी, जिससे हीटवेव पर लगाम लगेगी। इस बार मानसून हरियाणा में एक सप्ताह की देरी से दस्तक देगा।

40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा

मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्रमोहन ने बताया कि शनिवार को नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से उत्तरी राजस्थान व दक्षिणी पंजाब के हिस्सों पर एक चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने से लगातार बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से प्रचुर मात्रा में नमी पहुंचने से दोपहर से पश्चिमी जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, जींद, कैथल और उत्तरी व पूर्वी जिलों कुरुक्षेत्र, अंबाला, यमुनानगर, पंचकूला, करनाल में तेज गति की हवाओं 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कुछ स्थानों पर 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ की गतिविधियों को दर्ज किया गया है।

एक जून से गर्मी बढ़ेगी

बारिश का दौर खत्म होने के बाद जून में तापमान एक बार फिर से बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार पूरे जून में हीटवेव चल सकती हैं और तापमान 47 डिग्री या इससे भी ऊपर जा सकता है। हरियाणा में सिरसा और रोहतक में तापमान 46 डिग्री या इससे ज्यादा दर्ज हो चुका है।

यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 48 लोगों की मौत

नई दिल्ली। बारिश और आंधी से यूपी और बिहार में 48 लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 31 और बिहार में 17 लोगों की मौत हुई है। पटना में बारिश के चलते 4 फ्लाइट डायवर्ट की गईं, जबकि 18 फ्लाइट लेट रहीं। इससे करीब 500 से ज्यादा यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में शनिवार दोपहर रेतीला तूफान आया है। इसके कारण करीब 200 वर्ग किलोमीटर के एरिया प्रभावित हुआ। हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर के रेतीले तूफान की शुरुआत हुई। इस दौरान 60 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। रेतीले तूफान के कारण दिन में ही अंधेरा छा गया।

(राजस्थान में रेत का बवंडर पेज 4 पर)

धार्मिक स्थलों व सरकारी इमारतों पर हमले की साजिश नाकाम

दिल्ली में पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के 8 एजेंट पकड़े

अब भारतीय मददगारों की तलाश में जुटी जांच एजेंसियां, पकड़े गए आतंकियों में दिल्ली, मुंबई, पंजाब व नेपाल के लोग शामिल

हथियार, ग्रेनेड, विस्फोटक बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और दाऊद इब्राहिम के अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े के 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये संदिग्ध आतंकी देश की राजधानी को दहलाने की साजिश रच रहे थे। इनका मकसद दिल्ली, मुंबई समेत बड़े शहरों में आतंकी हमला करने का था। गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकी दिल्ली, मुंबई, पंजाब से हैं। कुछ लोग नेपाली भी हैं। पकड़े गए लोगों का मुंबई अंडरवर्ल्ड से भी कनेक्शन सामने आया है। सभी गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर भारत में हमला करने की साजिश रच रहे थे। सुरक्षा एजेंसियां अब मास्टरमाइंड और स्थानीय मददगारों की तलाश कर रही हैं।

संदिग्ध आतंकियों के पास से पुलिस ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। पाकिस्तान से लाया गया विस्फोटक भी बरामद किया है। ग्रेनेड और कई हथियार भी इनके पास से मिले हैं। जांच के मुताबिक यह आतंकी मॉड्यूल लंबे समय से तैयार किया जा रहा था। आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स से संपर्क में थे।

इन जगहों को बनाना चाहते थे निशाना

आतंकी देश के पावर प्लांट, न्यूक्लियर प्लांट, बिजली घर, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों और भीड़ भरे इलाकों को निशाना बनाने साजिश रच रहे थे, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उसके मंसूबों पर पानी फेरते हुए सभी 8 आतंकियों को धर दबोचा।

केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु में 19 जगह पर एनआईए के छापे

मलप्पुरम में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामले में एक्शन
89,600 जिलेटिन की छड़ें और 10,500 डेटोनेटर मिले थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को केरलम, कर्नाटक और तमिलनाडु में 19 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई केरलम के मलप्पुरम जिले में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामले की जांच के तहत की गई। एजेंसी ने विस्फोटकों के सोर्स, सप्लाई चेन और इससे जुड़े संभावित नेटवर्क का पता लगा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला मलप्पुरम का है। 7 फरवरी 2026 को पुलिस ने चेम्माड (मलप्पुरम) में प्याज से लदे एक ट्रक से 448 बक्सों में छिपाई गई 89,600 जिलेटिन की छड़ें और 10,500 डेटोनेटर बरामद किए थे। इस बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इसके संभावित दुरुपयोग और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंता जताई थी। पुलिस ने मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया था।

कर्नाटक के 24वें सीएम होंगे...

कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए डीके शिवकुमार

बेंगलुरु (भाषा)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को शनिवार को पार्टी विधायक दल का नेता चुन लिया गया, जिससे उनके राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने का मार्ग

प्रशस्त हो गया। यह जानकारी पार्टी सूत्रों ने दी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को विधान सौध में हुई बैठक के दौरान विधायक दल के नए नेता के रूप में शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा। यह बैठक कांग्रेस महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल और पार्टी के कर्नाटक मामलों के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला की मौजूदगी में हुई। शिवकुमार का नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह तीन जून को यहां लोक भवन के ग्लास हाउस में होगा।

हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देश...

बिना मजिस्ट्रेट आदेश के बैंक खाता फ्रीज करना गलत

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति के बैंक खाते को बिना विधिक प्रक्रिया अपनाए और बिना सक्षम मजिस्ट्रेट के आदेश के

फ्रीज नहीं किया जा सकता। अदालत ने एचडीएफसी बैंक को कुरुक्षेत्र निवासी रूबी कंसल का बैंक खाता एक सप्ताह के भीतर डी-फ्रीज करने का निर्देश देते हुए कहा कि केवल 18,195 रुपये की संदिग्ध राशि के आधार पर पूरे खाते पर रोक लगाना उचित नहीं है। जस्टिस जगमोहन बंसल ने याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि उनका बैंक खाता बिना किसी पूर्व सूचना के फ्रीज कर दिया गया।

धन शोधन मामला...

अभिनेत्री जैकलीन, सुकेश और 15 अन्य पर आरोप तय

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज, कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और 15 अन्य लोगों के खिलाफ 200 करोड़ रुपये के धन शोधन

मामले में आरोप तय करने का आदेश दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) प्रशांत शर्मा ने कहा कि प्रथम दृष्टया, रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री मौजूद है जिसके आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ गंभीर संदेह पैदा होता है। इन व्यक्तियों पर धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 3 के तहत (धन शोधन के) अपराध का आरोप लगाया जाना चाहिए, जो पीएमएलए की धारा 4 के तहत दंडनीय है। चंद्रशेखर को 2017 में दिल्ली पुलिस और 2021 में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था।

अब सीयूईटी-यूजी एग्जाम में भी गड़बड़ी

3,700 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए पुनर्परीक्षा की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट व सीबीएसई के बाद अब सीयूईटी-यूजी एग्जाम में भी गड़बड़ी सूचना मिली है। देशभर के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शनिवार को आयोजित सीयूईटी-

यूजी 2026 परीक्षा की पहली पाली शुरू होने में तकनीकी खराबी के कारण हुई देरी को देखते हुए परीक्षा केंद्र से चले गए 3,700 से अधिक अभ्यर्थियों को पुनः परीक्षा का एक और अवसर दिया जाएगा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यह जानकारी दी। एनटीए ने कहा कि तकनीकी गड़बड़ी के बाद प्रभावित केंद्रों पर परीक्षा के प्रारंभ होने का समय बदल दिया गया और अधिकतर अभ्यर्थी (करीब 95 %) दोबारा शुरू होने के बाद ही परीक्षा दे पाए। एजेंसी ने 'एक्स' पर कहा, 'दोबारा शुरू होने पर अधिकांश अभ्यर्थियों ने परीक्षा दे दी।

रिपोर्ट में दावा, अमेरिकी कंपनियां निवेश करेंगी

ईरान को 28 लाख करोड़ रीकंस्ट्रक्शन फंड मिलेगा

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका व ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते में ईरान को बड़ी आर्थिक मदद देने की बात सामने आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, समझौता होने पर ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 28.5 लाख करोड़ रुपये) का फंड दिया जा सकता है। साथ ही अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति भी मिल सकती है। एक ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया है। उनका कहना है कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को यह आर्थिक

ट्रम्प बोले-परमाणु कार्यक्रम पर सहमति बनी
ईरान ने खारिज किया ट्रंप का दावा

सहायता देने का वादा किया जाएगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि दोनों देश परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते के करीब हैं। हालांकि, ईरान ने ट्रम्प के दावे को खारिज कर दिया है व कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं चल रही है।

आईपीएल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा फाइनल

आरसीबी और जीटी में खिताबी मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

आईपीएल का खिताबी मुकाबला रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच अहमदाबाद में खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। दोनों ही टीमें अपना दूसरा टाइटल जीतने के लिए मैदान में उतरेंगी। कप्तान रजत पाटीदार को भरोसा है कि भुवनेश्वर कुमार की अगुवाई वाला आरसीबी का मजबूत गेंदबाजी आक्रमण टीम को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं जीटी के कप्तान शुभमन गिल को भी भरोसा है कि उनकी टीम भी इस पर अपना दूसरा खिताब जितेगी।

दोनों टीमें दूसरी ट्रॉफी जीतने के लिए तैयार

फ्लाइट के टिकट व होटल महंगे : अहमदाबाद के फ्लाइट के टिकट महंगे हो गए हैं। 17,000 से 35,000 रुपये तक किराया ज्यादा बढ़ गया है। वहीं, अहमदाबाद में बड़े होटलों का एक रात का किराया भी 36,000 तक पहुंच गया है। प्रीमियम होटल 30 और 31 मई को पूरी तरह से बुक हैं। अनुमान है कि होटल इंडस्ट्री को सिर्फ दो दिनों में 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा होगा। *(खेल पेज भी देखें)*

बेंगलुरु : ताकत-कमजोरी

विस्फोटक बल्लेबाजी: रजत पाटीदार (जिन्होंने क्वालीफायर 1 में 33 गेंदों पर नाबाद 93 रन बनाए) और विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं। टीम का बल्लेबाजी क्रम बहुत गहरा है।
गेंदबाजी में विविधता: भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और जैकब डफी नई गेंद से बेहतरीन स्विंग करा रहे हैं, जबकि स्पिन विभाग में कृणाल पंड्या रन रोकने के साथ विकेट भी निकाल रहे हैं।
मैंटल एज : हाल ही में क्वालीफायर 1 में जीटी को हराने के कारण आरसीबी का मनोबल बहुत ऊंचा है।
कमजोरी : अगर टॉप ऑर्डर जल्दी आउट हो जाता है, तो टीम मिडिल ऑर्डर पर निर्भर हो जाती है। वहीं, अहमदाबाद का घरेलू मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम जीटी के फेवर में जा सकता है।

गुजरात : ताकत-कमजोरी

टॉप ऑर्डर: शुभमन गिल और साई सुदर्शन की सलामी जोड़ी पूरे सीजन में टीम के लिए रन बनाती आ रही है।
गेंदबाजी का जादू: सिराज, रबाड़ा और राशिद खान किसी भी समय मैच का रुख पलट सकते हैं।
घरेलू मैदान का फायदा: अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल खेला जा रहा है, जहां जीटी फैंस के सामने खेलने का बड़ा अनुभव और फायदा उन्हें मिलेगा।
कमजोरी: अंतिम ओवरों में राहुल तेवतिया के अलावा कोई बहुत भरोसेमंद फिनिशर नहीं दिख रहा, जिसके कारण टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा जाती है। यह परेशानी बढ़ा सकता है।
निर्भरता: अगर शुभमन गिल और साई सुदर्शन जल्दी आउट हो जाते हैं, तो पूरी टीम दबाव में आ जाती है।

खबर संक्षेप

सीबीआई अदालत के विशेष न्यायाधीश राजीव गोयल निलंबित

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कैथल में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर कार्यरत राजीव गोयल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू किए जाने के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई है। हाईकोर्ट द्वारा 29 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार, राजीव गोयल इससे पहले पंचकूला स्थित सीबीआई अदालत में विशेष न्यायाधीश के पद पर कार्यरत थे। संविधान के अनुच्छेद-235 तथा हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उन्हें निलंबित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कैथल रहेगा और उन्हें जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कैथल की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि में राजीव गोयल को नियमानुसार निर्वाह भत्ता (सब्सिस्टेंस अलाउंस) दिया जाएगा। यह भत्ता हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।

किसानों के सामने यूरिया-डीएपी का संकट

चंडीगढ़। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने देश में बढ़ती महंगाई और खराब होते जा रहे आर्थिक हालातों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि आम लोगों के लिए आने वाले दिन खासा संकटमय भरे हो सकते है। उन्होंने कहा कि आज महंगाई केवल पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं है और देश के आर्थिक हालात बेहद गंभीर हो चुके है, जिस पर सरकार को तुरंत गहन चिंतन करने की जरूरत है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि देशभर में धान बिजाई के सीजन की शुरुआत में ही किसानों के सामने यूरिया-डीएपी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि मांग के अनुसार सरकार खाद की आपूर्ति नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि बिजाई के समय में खाद की कमी किसानों के लिए परेशानी और चिंता का विषय है, जिसे सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा निवास में सिख संगत के धन्यवाद कार्यक्रम को संबोधित किया

सिख गुरुओं की महान विरासत और बलिदान पर देश को गर्व : मुख्यमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिख समाज की वीरता, त्याग और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए बलिदानों पर पूरे देश को गर्व है।

■ गुरुओं के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

सिख गुरुओं ने सेवा, समानता और साहस का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी समाज को प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने कहा कि सिख समाज ने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया, लेकिन कभी अन्याय के सामने झुका नहीं। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में सिख संगत द्वारा आयोजित धन्यवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सिख संगत ने उन्हें कृपाण और सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव से लेकर गुरु गोबिंद सिंह तक सभी गुरुओं ने मानवता को सेवा, भाईचारे और साहस का संदेश दिया। गुरु तेग बहादुर और चारों साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत सिख विरासत सर्किट के विकास को मंजूरी दी है। इसके अलावा करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन, अमृतसर से नांदेड़ साहिब के लिए हवाई सेवा और हर वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस का आयोजन सिख इतिहास और परंपराओं के सम्मान का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार भी सिख समाज के सम्मान और गुरुओं की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में यमुनानगर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज और अंबाला के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम गुरु तेग बहादुर के नाम पर रखा गया है। वहीं टोहाना-जींद-धमतान साहिब रोड का नाम श्री गुरु तेग बहादुर मार्ग रखा गया है।

29 जून को भिवानी में मनाई जाएगी संत कबीर जयंती

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार धानक समाज के सम्मान की प्रहरी है। समाज के अधिकारों की रक्षा करना, बच्चों को बेहतर भविष्य देना और समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री शनिवार को चंडीगढ़ में धानक समाज के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इसमें हरियाणा, चंडीगढ़ के अलावा पंजाब के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 29 जून को भिवानी में संत कबीरदास जयंती मनाई जाएगी। इसी तरह पंजाब के अबोहर और लुधियाना में भी आयोजित की जाने वाली जयंती समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उनकी हर समस्या का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2029 तक भाजपा सरकार द्वारा किए गए सभी वादे पूरे किए जाएंगे। अब तक 63 संकल्प पूरे किए जा चुके हैं तथा 153 संकल्पों पर गति से कार्य चल रहा है।

■ मुख्यमंत्री ने धानक समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

लोक भवन में मातृ शक्ति सम्मान समारोह

कुरुक्षेत्र बाईपास मंजूर करने पर सीएम ने केंद्र का आभार जताया

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार और धन्यवाद किया है, जिन्होंने कुरुक्षेत्र के नागरिकों को बाईपास देकर एक जीवन रेखा की सौगात देने का काम किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र को 27.9 किलोमीटर लंबी बाईपास परियोजना की सौगात मिली है। यह बाइपास कुरुक्षेत्र के दक्षिणी भाग से होकर निकाला जाएगा जो कुरुक्षेत्र पिहोवा मार्ग पर ज्योतिसर के पास इंदबरी से शुरू होकर स्टेट हाईवे नंबर 6, एमडीआर-119, किरमच रोड, अमीन रोड व नेशनल हाईवे -44 को जोड़ता हुआ मथाना (स्टेट हाईवे-6) पर समाप्त होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि इस परियोजना से पिपली चौक पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और कुरुक्षेत्र शहर को जाम नहीं लगेगा।

सांझी कला के लिए महिलाओं को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

चंडीगढ़। हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर एवं पारंपरिक लोक कला 'सांझी' के संरक्षण और पुनर्जीवन के उद्देश्य से कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मंडल स्तर पर तीन दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिससे इस प्राचीन लोक कला को संरक्षित करने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। विभाग आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल तथा महानिदेशक केएम. पांडुरंग के मार्गदर्शन में प्रदेश के विभिन्न मंडलों में सांझी 2 से 4 जून तक कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। कार्यशालाओं में महिलाएं भाग लेकर सांझी कला के विभिन्न स्वरूपों को सीखेंगी तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सांझी का निर्माण करेंगी। प्रवक्ता ने बताया कि सांझी केवल एक कला नहीं, बल्कि प्रदेश की लोक संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

■ मंडल स्तर पर 2 से 4 जून तक कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी

अचेत पति की संरक्षक बनने पहुंची पत्नी

हाईकोर्ट ने मेडिकल बोर्ड गठन के दिए आदेश

रोहतक निवासी महिला की याचिका पर सुनवाई

■ मामले में बच्चों ने भी अपनी मां की मांग का समर्थन किया

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में हरियाणा सरकार को निर्देश दिया है कि वेजिटेटिव स्टेट (अचेत एवं असहाय अवस्था) में रह रहे व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक स्थिति का आकलन करने के लिए दो सप्ताह के भीतर मेडिकल बोर्ड का गठन किया जाए। अदालत ने यह आदेश उस याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया , जिसमें पत्नी ने अपने पति की कानूनी संरक्षक नियुक्त किए जाने की मांग की थी। मामले की सुनवाई जस्टिस जगमोहन बंसल ने की। रोहतक निवासी महिला ने अदालत को बताया कि उसके पति राम रतन जुलाई 2024 से वेजिटेटिव स्टेट में हैं और अपनी देखभाल, संपत्ति तथा अन्य कानूनी मामलों से जुड़े निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें पति की ओर से निर्णय लेने और उनके हितों की रक्षा करने के लिए कानूनी संरक्षक नियुक्त किया जाना आवश्यक है।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पूर्व में 'सुरेखा बनाम एक्सिस बैंक एवं अन्य' मामले में ऐसे मामलों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए थे। उन्हीं दिशा-निर्देशों के आधार पर उन्हें भी अपने पति का संरक्षक नियुक्त किया जा सकता है। उन्होंने अदालत को आश्वस्त किया कि वह हाई कोर्ट द्वारा तय सभी शर्तों और मानकों का पालन करने को तैयार हैं।

मामले में बच्चों ने भी अपनी मां की मांग का समर्थन किया। बच्चों की ओर से अदालत को बताया कि उन्हें अपनी मां को कानूनी संरक्षक बनाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है और वे याचिका का समर्थन करते हैं। हाई कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए सक्षम प्राधिकारी को दो सप्ताह के भीतर मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के लिए 8 को कुरुक्षेत्र से रवाना होगी ट्रेन

चंडीगढ़। प्रदेश सरकार बीपीएल परिवारों के बुजुर्गों को श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की मुफ्त धार्मिक यात्रा करवाने जा रही है। इसके लिए आगामी 8 जून को कुरुक्षेत्र रेलवे जंक्शन से एक स्पेशल ट्रेन रवाना होगी। इस ट्रेन को मुख्यमंत्री हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इच्छुक श्रद्धालु 6 जून तक सरल पोर्टल पर यात्रा के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह यात्रा पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होगी।प्रवक्ता ने बताया कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा मनाए जा रहे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की शौर्य एवं धैर्यगाथा, अटूट आस्था' कार्यक्रम के तहत चलाई जाने वाली यह स्पेशल ट्रेन कुरुक्षेत्र से चलकर करनाल, पानीपत, सोनीपत और दिल्ली होते हुए श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग तक जाएगी। सोमनाथ मंदिर भारत के लोगों की आस्था का प्रतीक है।

मानसून से पहले 716 नालों की सफाई होगी, अधिकारी 24 घंटे निगरानी रखेंगे

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा आने वाले मानसून से पूर्व राज्य में बाढ़ प्रबंधन को मजबूत करने और लोगों को जलभराव जैसी पस्थितियों से बचाव हेतू तैयारियों को लेकर बड़े स्तर पर ड्रेनों की सफाई एवं गाद निकालने का अभियान शुरू किया है। विभाग का प्रयास है कि ग्रामीण इलाकों में बारिश के पानी की निकासी को आसान बनाने और बेहतर प्रबंधन के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाए। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारी कार्य की प्रगति पर 24 घंटे करीब से निगरानी रख रहें हैं। सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी भी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें लेकर कार्य की पालना सुनिश्चित करने पर बल दे रही हैं। हर साल होने वाले मानसून से पूर्व तैयारी प्रोग्राम के तहत हरियाणा सिंचाई और जल संसाधन विभाग ने इस साल कुल 4,369.69 किलोमीटर लंबे 716 नालों की सफाई और गाद निकालने का प्लान बनाया है। सिंचाई और जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल ने सभी उपायुक्तों के साथ-साथ विभाग के संबंधित एसई और कार्यकारी अभियंता इंजीनियर को चल रहे कामों का नियमित निरीक्षण करने और मानसून शुरू होने से पहले शत प्रतिशत ड्रेन सफाई को निर्धारित समय पर पूरा करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके अलावा मुख्यालय स्तर के अधिकारियों को भी राज्य के अलग-अलग जिलों का कार्यभार सौंपा जाएगा।

ई-टेंडरिंग से ठेकेदारों को दिए जाएंगे काम

नालों की सफाई का काम विभागीय मशीनरी के साथ-साथ ई-टेंडरिंग मोड से भी किया जा रहा है ताकि काम को पारदर्शी और बेहतर ढंग से जल्द पूरा किया जा सके। इन कार्यों में मुख्य रूप से जमा हुई गाद और पेड़-पौधों को हटाना शामिल है ताकि नालों की क्षमता दुरूस्त हो सके और कमजोर इलाकों में बाढ़ और पानी भरने का खतरा कम हो सके। विभाग ने जून 2026 तक सभी 716 नालों की पहचान कर सफाई पूरी करने का लक्ष्य तय किया है। मानसून आने से काफी पहले पूरे राज्य में जलभराव रोकनें की पूरी तैयारी करने के लिए कार्यों को प्राथमिकता से किया जा रहा है।

पंजाब निकाय चुनाव में जनता की विकास पर मुहर : गुप्ता

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने पंजाब के नगर निगम और शहरी निकाय चुनावों में पार्टी को मिली बड़ी जीत पर प्रदेश की जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के बाद अब शहरी मतदाताओं ने भी आम आदमी पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों और मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों पर भरोसा जताया है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि पंजाब की जनता काम और विकास की राजनीति को प्राथमिकता देती है। उन्होंने दावा किया कि कुल 1,977 वार्डों में से आम आदमी पार्टी ने 958 वार्डों में जीत हासिल कर सबसे बड़ा जनसमर्थन प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग आम आदमी पार्टी को शहरों में कमजोर बता रहे थे, उन्हें जनता ने करारा जवाब दिया है।उन्होंने बताया कि पंजाब के आठ नगर निगमों, 75 नगर परिषदों और 19 नगर पंचायतों के चुनाव परिणामों में आम आदमी पार्टी को व्यापक सफलता मिली है।

सीपीए सम्मेलन की तैयारियों के लिए विस स्पीकर ने कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के उत्तर भारत क्षेत्र के जोन-2 सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में शनिवार को विधान सभा सचिवालय और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ सम्मेलन से जुड़े स्थलों का दौरा किया। विधान सभा सेरेमोनियल गेट पहुंच उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर की तैयारियों का जायजा लिया। यहां उन्होंने विशिष्ट मेहमानों के सामूहिक फोटो इत्यादि के लिए स्थान चिन्हित किए। इसके बाद विधान सभा अध्यक्ष अधिकारियों के साथ सेक्टर 18 स्थित टैगोर थियेटर गए। यहां उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी का अवलोकन भी किया। सम्मेलन के पहले दिन टैगोर थियेटर में संवैधानिक मूल्यों पर आधारित नाटक मंचन होगा। इसके बाद विधान सभा अध्यक्ष होटल ललित पहुंचे। यहां उन्होंने सम्मेलन के तकनीकी सत्रों की व्यवस्था के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र के सशक्तीकरण को समर्पित इस सम्मेलन की सभी तैयारियों जल्द पूरी की जाएं।

इबोला वायरस को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

सीएमओ को एडवाइजरी : फ्लू कॉर्नर और आइसोलेशन वार्ड तैयार करें

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने खतरनाक इबोला वायरस को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। साथ ही प्रदेश की सेहत मंत्री का कहना है कि हम इससे निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। जानकारी अनुसार सबसे खतरनाक और जानलेवा बीमारियों में गिने जाने वाले इबोला वायरस को लेकर हरियाणा में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। हालांकि विशेषज्ञ सावधानी बरतने और चिंता नहीं करने की सलाह दे रहे हैं। इस संबंध में जहां केंद्र सरकार की एडवाइजरी गत माह जारी की गई थी। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग हरियाणा भी अलर्ट मोड पर आ गया है।

प्रदेश में भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से एडवाइजरी जारी कर दी गई है। राज्य के सभी सीएमओ(सिविल सर्जनों) को इस दिशा में दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सभी जिलों में जिला अस्पतालों में बेड का विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने को भी कहा गया है। इसके साथ ही दिशा निर्देशों में हर जिले में वरिष्ठ डॉक्टर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के आदेश भी दिए गए हैं ताकि जरूरत पड़ने की सूरत में निर्णय लेने में कोई दिक्कत नहीं हो।

अफ्रीका से आने वाले यात्रियों पर विशेष नजर

प्रदेश स्तर पर जारी आदेशों में सभी अस्पतालों सीएमओ को आने वाले मरीजों पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से निर्देशों के तहत सरकारी अस्पतालों को संभावित संक्रमण से निपटने के लिए तैयार रहने का आदेश जारी किया गया है। पंचकूला सेहत विभाग मुख्यालय, जिला अस्पताल से लेकर अंबाला, करनाल, कुरुक्षेत्र, सोनीपत, पानीपत अन्य जिला अस्पतालों में व्यापक तैयारी करने को कहा गया है। इस संबंध में अधिकारियों का कहना है कि आइसोलेशन वार्ड पूरी तरह तैयार कर लिए जाएंगे । खुद राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव और आला अफसरों का दावा है कि किसी भी आपात स्थिति में विभाग तैयार है। कुल मिलाकर अफ्रीका में बढ़ते मामलों से हर तरफ चिंता का माहौल है। साथ ही विदेशों से आने वाले यात्रियों पर खास नजर रखने को कहा गया है, खासतौर पर अफ्रीकी देशों, कांगो और युगांडा में इबोला संक्रमण के नए मामले लगातार सामने आ रहे हैं। घटनाओं के बाद दुनिया भर के स्वास्थ्य तंत्र ने निगरानी बढ़ा दी है।

भाजपा के पुराने दिग्गजों की ताजपोशी, पुराने गिले-शिकवे दूर करने की कवायद

कैप्टन योगेश बैरागी समाज कल्याण और वेदपाल हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के चेयरमैन बने

बैरागी जुलाना से विनेश फोगाट के खिलाफ चुनाव लड़ चुके, वहीं वेदपाल पार्टी के वरिष्ठ नेता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली को बदलने के साथ ही पुराने वफादार पार्टी के सिपाहियों के गिला शिकवे दूर करने की कवायद शुरू हो गई है। अहम बात यहां पर यह है कि दर्जनभर नेताओं को बोर्ड और निगमों में चेयरमैनी देकर मान सम्मान का संदेश दिया गया है। सूबे की नायब सैनी सरकार ने पुराने भाजपाइयों की वफादारी और नेक नीयत के साथ में काम करने को लेकर अब तोहफा देने की मुहिम चला दी है। दर्जनभर बोर्ड निगमों में चेयरमैन और सदस्यों की नियुक्तियां की गई हैं। इसके लिए काफी समय से इंतजार किया जा रहा था। बीते 24 घंटे में कई नियुक्तियों के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में टिकट से वंचित और हारे जाने वाले नेताओं के साथ ही कई पुराने कार्यकर्ताओं-पदाधिकारियों को सत्ता में हिस्सेदारी दी गई है। जुलाना विधानसभा क्षेत्र से ओलिंपियन पहलवान और वर्तमान में कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट के खिलाफ चुनाव लड़ चुके कैप्टन योगेश बैरागी को समाज कल्याण बोर्ड चेयरमैन पद पर लगाया है। संगठन में कई अहम पदों पर रहे वेदपाल विधानसभा चुनाव में टिकट से चूक गए थे, लेकिन उन्हें हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया है।

यह बोर्ड प्रदेश भर की मंडियों के रख-रखाव के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का रख-रखाव और संचालन भी संभालता है। हरियाणा सरकार जीरो बजट कृषि को बढ़ावा देने के लिए दस मंडियां बनाने जा रही है, जिनके संचालन में बोर्ड की अहम जिम्मेदारी होगी। रोहताश जांगड़ा को श्रम कल्याण बोर्ड का चेयरमैन लगाया गया है। फर्जी स्लिप घोटाले के कारण यह बोर्ड पिछले कई माह से सुर्खियों में है। बोर्ड की गतिविधियों को बंद भी किया गया था और हाल ही में मुख्यमंत्री सैनी द्वारा गिग वर्कर्स के पंजीकरण के आदेश जारी किए जाने के बाद इस बोर्ड की अहमियत बढ़ गई है। इसी क्रम में राजपाल बैनीवाल को हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण में सदस्य बनाया गया है। गुरनाम सैनी हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम लिमिटेड नए चेयरमैन बने हैं।

नायब सरकार में पहली बार हुई बोर्ड और निगमों की नियुक्तियों में महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। सुनीता दांगी को हरियाणा महिला विकास निगम चेयरपर्सन बनाया है। सुभाष कलसाना को हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक की प्रबंधन कमेटी में सरकार का प्रतिनिधि नियुक्त किया है। भारत भूषण जुयाल हरको बैंक के चेयरमैन बने हैं। जुयाल को पहले हरियाणा स्टेट कोपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल प्रबंध समिति में सरकारी नामांकित सदस्य नियुक्त किया गया। जिसके बाद में शीर्ष सहकारी बैंक का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

■ बोर्ड और निगमों में चेयरमैन के साथ सदस्यों की भी नियुक्तियां

अमित सैनी हरियाणा कला परिषद गुरुग्राम के अतिरिक्त निदेशक नियुक्त

सरकार ने कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी कई अहम नियुक्तियां और बदलाव किए हैं। लोक गायक बिंदर दनोदा को हरियाणा कला परिषद हिसार जोन का अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया है। महेश जोशी को हरियाणा कला परिषद में वाइस चेयरमैन बनाया है। अमित सैनी हरियाणा कला परिषद गुरुग्राम जोन के अतिरिक्त निदेशक होंगे। गगन हरियाणवी को हरियाणा कला परिषद रोहतक जोन का अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया है।

प्रशिक्षण वर्ग राष्ट्र सेवा का संकल्प : डॉ. गुप्ता

चंडीगढ़। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग माधवगढ़ फार्म, टिकली रोड, गुरुग्राम में आयोजित किया गया। भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने राष्ट्र के समक्ष चुनौति विषय पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताया। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग केवल सीखने का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का संकल्प है। प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम है, जो संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगा। इससे पहले कार्यक्रम में पहुंचने पर जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कार्यकर्ताओं के साथ नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का जोरदार स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां विषय पर संबोधित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया।

ADMISSION 2026
DADA LAKHMI CHAND STATE UNIVERSITY OF PERFORMING & VISUAL ARTS, ROHTAK
(A State University Established Under Haryana Act. No. 24 of 2014)
UG & PG PROGRAMMES
Faculty of Design
Faculty of Visual Arts
Faculty of Film & Television
Faculty of Planning & Architecture
Scan QR Code
LAST DATE TO APPLY : 26.06.2026 for UG | 10.07.2026 for PG
For online application & other details, please refer to the University Website : www.dlcsupva.ac.in
E-mail : admission@dlcsupva.ac.in | Ph. 01262-242744

खबर संक्षेप

ओडिशा के नशा सप्लायर की 10.60 लाख की नकदी जब्त

फतेहाबाद। मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में फतेहाबाद पुलिस की वित्तीय जांच के आधार पर भारत सरकार के सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक, एनडीपीएस अधिनियम, कोलकाता ने एक अंतरराज्यीय गांजा सप्लायर के बैंक खाते में जमा 10 लाख 60 हजार 531 की राशि को जब्त करने के आदेश जारी किए हैं। यह संपत्ति ओडिशा निवासी आरोपी नीलांचल सुनामुडी उर्फ सोनू की है। शनिवार को फतेहाबाद की एसपी निकिता खट्टर ने यह जानकारी दी। यह पूरा मामला 31 दिसंबर 2025 का है, जब फतेहाबाद जिले की सदर टोहाना पुलिस ने गांव बलियावाला के पास नाकाबंदी के दौरान एक कार से 24 किलो 955 ग्राम गांजा बरामद किया था। मौके से पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जांच में ओडिशा के रायगड़ा निवासी अंतरराज्यीय गांजा सप्लायर नीलांचल सुनामुडी उर्फ सोनू का नाम सामने आया। वह हरियाणा में सक्रिय तस्करों को गांजे की सप्लाई करता था। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

फरीदाबाद में विकास के नाम पर चला नगर निगम का बुलडोजर

एलिवेटेड रोड के बीच आ रहे मंदिर-मस्जिद तोड़ने पर हंगामा, विधायक ने दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

फरीदाबाद। धर्मस्थल तोड़ने के विरोध में धरना देते कांग्रेस नेता।

क्षेत्र में एलिवेटेड रोड और आरआरटीएस कॉरिडोर के निर्माण के लिए शिव मंदिर और मस्जिट तोड़े जाने पर विवाद गहरा गया। कांग्रेस विधायक आफताब अहमद के धरना देने के बाद पुलिस और ज्यादा अलर्ट हो गई। सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। हालात को देखते हुए एनआईटी क्षेत्र में करीब 21 घंटे तक इंटरनेट सेवा भी बंद की गई। ट्रैफिक पुलिस ने कई रोड भी बंद कर दी है। गुरुग्राम जाने के लिए ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। नगर निगम का दावा है कि ये मंदिर मस्जिद पुरातत्व विभाग की जमीन पर बने हैं।

नगर निगम की टीम ने शुक्रवार-शनिवार रात एनआईटी 3 मस्जिद चौक के पास शिव मंदिर और मस्जिद पर बुलडोजर चलवा दिया। इसके साथ ही कई अवैध कब्जों को भी हटाया गया। मस्जिद चौक के पास से एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है। इसके साथ ही गुरुग्राम- फरीदाबाद- नोएडा रूट के लिए नमो भारत रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर भी इसी क्षेत्र से गुजरना है। इन परियोजनाओं के मार्ग में ये निर्माण बाधा बन रह थे। निगम की टीम ने रात करीब 2 बजे मस्जिद चौक और उसके आसपास एरिया में नाकाबंदी शुरू कर दी।

विकास नहीं विनाश है : आफताब अहमद

नूंह से कांग्रेस विधायक आफताब अहमद मस्जिद टूटने पर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बेरिकेड लगा उन्हें रोक दिया तो वहीं धरने पर बैठ गए। हालांकि, कुछ ही देर में वह वहां से उठ गए। उन्होंने कहा कि यह विकास नहीं विनाश है। रात 2 बजे मस्जिद को तोड़ देना पूरी तरह से गैरकानूनी है।

21 घंटे बंद रहेगा इंटरनेट

गृह विभाग की एडिशनल सेक्रेटरी डॉ. वंदना दिसोदिया ने आदेश जारी करते हुए कहा कि प्रशासन को सूचना मिली थी कि इस तोड़फोड़ अभियान के दौरान तनाव व उपद्रव की आशंका है। सोशल मीडिया से भड़काऊ सामग्री और अफवाहों को रोकने के लिए इस एरिया में इंटरनेट सेवाएं शनिवार रात 12 से रात 10 बजे तक बंद की जाएगी। वहीं, कई रूट को डायवर्ट भी किया गया।

30-40 साल पुराने हैं स्थल

निगम अधिकारियों ने कहा कि मंदिर और मस्जिद प्रशासन को निर्माण हटाने के लिए कई नोटिस दिए जा चुके हैं। नोटिस के बाद भी प्रबंधन की ओर से इन्हें हटाया नहीं गया। जिसके बाद मजबूरी में यह बुलडोजर कार्रवाई की गई। मंदिर सहित कई दूसरे ढांचे पुरातत्व विभाग की जमीन पर बने हैं। ये ढांचे करीब 30 से 40 साल पुराने हैं।

घर में घुसकर वृद्धा से जेवर लूटने वाले तीन धरे एक आरोपी का पैरा टूटा

जींद। पुलिस गिरफ्त में लूट के आरोपी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

घर में घुसकर वृद्ध महिला की सोने की बालियां लूटने की वारदात का खुलासा करते हुए सीआईए स्टाफ सफीदों व थाना शहर सफीदों की संयुक्त टीम ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। थाना शहर सफीदों के प्रभारी निरीक्षक राजकुमार ने बताया कि सफीदों निवासी कृष्णा देवी ने पुलिस को बताया था कि वह घर पर अकेली थी। इसी दौरान मुंह ढके एक युवक अचानक उनके घर में घुस आया और आंखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया और उसके कानों से 8-9 ग्राम वजन की सोने की दोनों बालियां झपट ली। पुलिस ने जांच करते हुए दो आरोपितों सफीदों निवासी विकास व राहुल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, जिनसे पूछताछ में गांव खेड़ाखेमावती निवासी सुनील का नाम सामने आया था। गुप्त सूचना के आधार पर सीआईए स्टाफ सफीदों की टीम हुडा ग्राउंड सफीदों पहुंची तो आरोपित सुनील पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगा, जिसे उसके पैर चोट लगी और वह गिरफ्त में आ गया।

एनकाउंटर में 4 बदमाश गिरफ्तार, एक को मारी गोली, सिपाही भी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पलवल

हथीन सीआईए स्टाफ और उत्तरप्रदेश के बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक बदमाश को गोली लगी है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। डीएसपी हेडक्वार्टर साहिल ढिल्लो ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि यूपी के इटावा से एक बलेनो कार में 4-5 हथियारबंद युवक पलवल आ रहे हैं। पुलिस ने जाल बिछाया तो खुद को घिरता देख बदमाशों ने अपनी गाड़ी होडल की तरफ भगा दी। मुंडकटी चौक पर नाकाबंदी कर गाड़ी को रुकवा लिया। जब पुलिसकर्मी सिपाही देवेंद्र ने गाड़ी की खिड़की खोलने की कोशिश की तो बदमाश ने उनके बाएं पैर में गोली मार दी और भाग गए। आगे उनकी गाड़ी का टायर फट गया और उन्होंने उतरकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पुलिस की कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वे चारों पकड़े गए। बदमाशों में इटावा निवासी अकरम, कृष्ण, आलोक परिहार, माधव गुप्ता व फरार हुआ आरोपी विपुल द्विवेदी शामिल है। घायल माधव गुप्ता को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों को कब्जे से एक रिफलनुमा पोना, देशी कट्टा, पिस्टल, 11 कारतूस व 12 खाली खोल के अलावा एक गाड़ी बरामद की है। माधव गुप्ता पर 25 केस दर्ज हैं।

सांप का जहर बेच करोड़ों कमाने का सपना दिखाकर 50 लाख ठगे

- पैसे देने के बाद सांप को मरा हुआ बता की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

सांप का जहर बेचकर करोड़ों रुपये कमाने का सपना दिखा रिटायर्ड शिक्षक दंपति से 50 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। सदौरा थाना पुलिस ने रसूलपुर निवासी सेवानिवृत्त अध्यापक रंजीत कुमार पाल की शिकायत पर झंडा के सरपंच पवन कुमार, सोनी पाल और विजेंद्र सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। रसूलपुर निवासी सेवानिवृत्त अध्यापक रंजीत कुमार पाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मार्च 2024 में पवन कुमार ने उन्हें सोनी पाल से मिलवाया। आरोप है कि सोनी पाल ने खुद को सांप के जहर का कारोबारी बताते हुए करोड़ों रुपये के सौदे की कहानी रची। पहले उन्हें उत्तर प्रदेश के बरेली ले जाया गया, जहां एक बैग में सांप जैसा जीव दिखाकर दावा किया गया कि इसकी कीमत करोड़ों रुपये है। बाद में मुलाना मेडिकल कॉलेज में डिलीवरी होने और भारी मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया गया। वह उनका साझेदार बन गया। आरोप है कि 12 मार्च 2024 को भुगतान के बाद जब कथित खरीदार के पास बैग खोला गया तो उसमें मौजूद जीव को खरीदार ने मरा हुआ बताते हुए लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद आरोपी रकम लौटाने से मुकर गए।

जमीन विवाद में पीट-पीटकर हत्या

रोहतक। बहु अकबरपुर थाना क्षेत्र के मोखरा खेड़ी गांव में जमीन विवाद के चलते 48 वर्षीय व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान ओमबीर उर्फ ओमला के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक के बेटे विजय उर्फ सोनू की शिकायत पर आठ लोगों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, 29 मई की रात करीब 11:15 बजे गांव के दो युवकों ने विजय को सूचना दी कि उसके पिता गोगापीर मंदिर के सामने लहूलुहान हालत में पड़े हैं। परिजनों का आरोप है कि चार बीघा जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश थी और पहले भी इस मामले में क्रॉस मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने कथित रूप से रॉड और लाठी-डंडों से हमला कर ओमबीर की हत्या कर दी।

बिजली ठप होने पर रुकी ट्रेन, लगा जाम

कुरुक्षेत्र। पुराना बस अड्डा के समीप रेलवे फाटक पर शनिवार दोपहर एक मालगाड़ी अचानक आकर रूक गई। ट्रेन करीब एक घंटे तक वहीं खड़ी रही। इससे शहर के दोनों तरफ लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। यह मालगाड़ी कैथल की तरफ से कुरुक्षेत्र की ओर आ रही थी। इस ट्रेन में गटका और कोयला भरा हुआ था। जैसे ही ट्रेन फाटक के पास पहुंची, उसी दौरान रेलवे लाइन की पावर सप्लाई प्रभावित हो गई। बिजली सप्लाई बाधित होने के कारण ट्रेन को करंट नहीं मिल पाया और मालगाड़ी फाटक पर ही रुक गई। मालगाड़ी के रुकते ही फाटक दोनों तरफ से बंद हो गया। देखते ही देखते फाटक के दोनों ओर व्हीकल की लंबी कतारें लग गईं। बता दें कि शहर के बीच से गुजर रही रेलवे लाइन पर एलिवेटेड ट्रैक बन चुका है। अभी ट्रैक पर स्टेशन बन रहा है।

पांच एकड़ में होगा निर्माण, भूमि पूजन किया

बड़ौदा में बनेगा चहल खाप के 104 गांव का चबूतरा

उचाना। चहल खाप के चबूतरे के भूमि पूजन पर मौजूद खाप चौधरी व विधायक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

बड़ौदा के कोथ रोड पर 5 एकड़ भूमि में चहल खाप के 104 गांव का चबूतरा बनेगा। निर्माण को लेकर भूमि पूजन पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचे। उन्होंने विधायक कोटे से 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। हरियाणा के साथ-साथ पंजाब के गांव से भी चहल गोत्र के गांवों से लोग पहुंचे।

विधायक ने कहा कि खापों की समाज में अहम भूमिका रही है। खापें यह भूमिका ऐसे ही निभाते हुए समाज हित में कार्य कर समाज की तरक्की व प्रगति में अपना योगदान दें। यह चबूतरा सर्व समाज को एक मंच पर साथ खड़ा करने के रूप में व न्याय के साथ समाज को नई दिशा देने का काम करेगा। चहल खाप प्रधान बलबीर चहल ने बताया कि खाप व पंचायत समाज को जोड़ने का काम करती है। इस मौके पर संदीप चहल, कर्मबीर लितानी, बलबीर किठाना, रामफल कोटड़ा, जयदीप रधाना, मा. रामकिशन ज्योली, रणधीर अलेवा, ओम नंबरदार, रामफल ठोलेदार बोबुआ, डॉ. रामकुमार उझाना, पप्पू, रामकलां, रामनिवास भौंगरा, रोही मानसा, कर्णा, सुनील अलेवा, बारू, बसाऊ, ज्ञानीराम, सुनील, मा. राजकुमार, सुभाष, धर्मबीर, कुलदीप, सोनू व ईश्वर मौजूद रहे।

चूरू में तेज आंधी का कहर

राजस्थान में रेत का बवंडर, आसमान पीले रंग में रंग गया

एजेंसी ▶▶ चुरु

राजस्थान के चूरू जिले में शनिवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली है। चूरू शहर के साथ-साथ तारानगर क्षेत्र और मेहरी गांव समेत आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के साथ धूल का गुबार छा गया। हवा की रफ्तार बने कुछ ही देर में आसमान धूल की परत से ढंक गया। कई स्थानों पर धूल घरों और दुकानों के भीतर तक पहुंच गई। लोगों को कुछ समय के लिए आवाजाही में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कई जिलों में दिन के समय भी अंधेरा हो गया

श्रीगंगानगर, बीकानेर और सीकर जिलों में धूल और रेत का जबरदस्त बवंडर देखने को मिला। आसमान में धूल छाने से दिन के समय भी अंधेरा महसूस हुआ। सड़कों पर चल रहे वाहनों को हेडलाइट का सहारा लेना पड़। बवंडर के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

ओलावृष्टि और बिजली गिरने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बीकानेर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर और उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी चलने की आशंका है। इसके अलावा कुछ इलाकों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना व्यक्त की है।

उधर, नोएडा में धूल भरी आंधी, दिल्ली-हरियाणा में झमाझम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी के बीच शनिवार दोपहर को मौसम का मिजाज बदल गया। हरियाणा के सोनीपत और गुरुग्राम में तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बताया गया कि दोपहर को आसमान में बादल छाए और धूल भरी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से तापमान में गिरावट आई है। लोगों को गर्मी से राहत मिली। राजधानी दिल्ली और नोएडा में भी बारिश शुरू हो गई है।

खबर संक्षेप

सीआईएसएफ के जिम्मे विदेश मंत्रालय की सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की इस सप्ताह सुषमा स्वराज भवन स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में औपचारिक तैनाती कर दी गई है। 90 कर्मियों की स्वीकृत संख्या के साथ सीआईएसएफ ने परिसर में सुरक्षा कर्तव्यों का प्रभार संभाला है।

पद्मनाभस्वामी मंदिर में होगा डिजिटल रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष के. जयकुमार ने कहा है कि बोर्ड अपने प्रशासन के अधीन मंदिरों में मौजूद मूल्यवान वस्तुओं, परिसंपत्तियों और अन्य लेन-देन का जायजा लेने की योजना बना रहा है। खातों को डिजिटल रूप से रिकॉर्ड और संग्रहीत किया जाएगा ताकि उनमें छेड़छाड़ न की जा सके।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आरोप...अब सीयूईटी को लेकर राहुल ने प्रधानमंत्री पर कसा तंज

दावे विश्वगुरु के, एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सकते, किसे 'बचाया' जा रहा?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरु बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित कराने में सक्षम नहीं है। राहुल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। राहुल ने 'एक्स' पर कहा, नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। 4 परीक्षाएं। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से आयोजित नहीं हो पा रही है। वहीं, 'विश्वगुरु' बनने के दावे किए जा रहे हैं।

नीट, सीबीएसई समेत कई परीक्षाओं में लापरवाही की गई

देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से नहीं हुई

प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है।जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी। राहुल ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि सीबीएसई की परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर प्रधानमंत्री का मौन और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना, यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार बचाने की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की।

वे किसे बचा रहे हैं, और क्यों? न्यायिक जांच की जाए

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सार्थक के दावों का जिक्र किया और मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई ने चयन प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव कर सीओईएमपीटी को फायदा पहुंचाया। सार्थक ने कथित तौर पर सीबीएसई के आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला दिया है।

परीक्षाएं कराने में विफल रही सरकार

राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीईयूटी से जुड़े विवादों का हवाला देते हुए बड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं को निष्पक्ष और कुशलता से आयोजित करने में विफल रही है। मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। जिस पीढ़ी का भविष्य आप तबाह कर रहे हैं।

राहुल के तंज पर भड़की भाजपा

राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल गांधी के बयान के बाद भाजपा ने उन पर जमकर हमला बोला। पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता ने जिम्मेदारी दिखाने के बजाय सनसनी फैलाने का रास्ता चुना है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और छात्रों के गंभीर मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

ऐसे बयान गैरजिम्मेदाराना: शेखावत

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल के बयान को 'बेतुका' करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, उनके बयान दिखाते हैं कि वे युवाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को कितनी गैर-जिम्मेदारी से देखते हैं।

इसलिए गंभीरता से नहीं लिया जाता: मालवीय

भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी राहुल पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि यह कहना कि प्रधानमंत्री ने नीट पेपर लीक की व्यक्तिगत निगरानी की, पूरी तरह बेतुका, चौंकाने वाला और तर्क से परे है। मालवीय ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर राहुल को गंभीरता से न लिए जाने की यही वजह है।

इश्यू को न पढ़ पा रहे न समझ: सुधांशु

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल की समस्या है कि पहले वह 'इश्यू' को समझ नहीं पाते थे और अब 'इश्यू' शब्द पढ़ भी नहीं पा रहे हैं। त्रिवेदी ने एक्स पर लिखा, राहुल गांधी सिर्फ 'पेपर लीक' पढ़ते हैं, 'इश्यू' शब्द नहीं पढ़ते। इससे साफ है कि वे बिना पूरी बात समझे बयान दे रहे हैं।

नागपुर में दिल दहला देने वाली घटना

घर में गिरकर पति की मौत, बिस्तर पर भूख-प्यास व गर्मी से पत्नी ने तोड़ा दम

फर्श पर पड़ा था पति का शव, बिस्तर से न उठ सकी पत्नी

एजेंसी ▶▶ नागपुर

नागपुर में 29-30 मई के आस-पास वाड़ी थाना क्षेत्र के दावलामेठी (म्हाडा कॉलोनी) में एक बुजुर्ग दंपती (77) गंगाधर भोंगड़े और (75) कौशल्या भोंगड़े अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस जांच के अनुसार, पति की घर में फिसलकर गिरने से मौत हो गई थी, जिसके कुछ दिन बाद लकवाग्रस्त बिस्तर पर पड़ी पत्नी ने भूख, प्यास और भीषण गर्मी से दम तोड़ दिया। मृतक गंगाधर भोंगड़े सेवानिवृत्त रक्षा कर्मचारी थे। पति गंगाधर रसोई में फिसलकर गिर गए थे जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। लकवाग्रस्त होने के कारण उनकी पत्नी बिस्तर से उठ नहीं सकती थीं, जिसके चलते मदद के अभाव में उनकी भी जान चली गई।

ऐसे हुआ खुलासा

लगातार तीन दिनों तक अखबार जमा होने और बंद घर से दुर्गंध आने के बाद पड़ोसियों और दामाद ने दरवाजा तोड़ा, जिसके बाद इस घटना का पता चला। इस मामले में पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच जारी है।

दंपति की अपनी कोई संतान नहीं थी

जानकारी के अनुसार, गंगाधर ने अपनी बड़ी बेटी से फोन पर तबीयत खराब होने की बात कही थी। उन्होंने अस्पताल जाने और कौशल्या की देखभाल के लिए किसी को भेजने का अनुरोध भी किया था। बेटी ने जून के पहले सप्ताह में आने का आश्वासन दिया था, लेकिन इससे पहले ही यह दुखद घटना हो गई। दंपति की अपनी कोई संतान नहीं थी। गंगाधर ने कौशल्या की पहली शादी से हुए चार बच्चों को अपनाया था और वर्षों तक पत्नी की देखभाल की। परिवार से जुड़े लोगों के अनुसार दोनों एक-दूसरे के सहारे जीवन बिता रहे थे और साधारण खुशियों में संतोष ढूंढते थे। पड़ोसियों ने बताया कि दंपति को संगीत सुनने का शौक था। घर में रेडियो लगातार बजता रहता था, इसलिए किसी को भी यह अंदाजा नहीं हुआ कि अंदर कोई अनहोनी हो चुकी है।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

दिल्ली के साकेत इलाके में पांच मंजिला बिल्डिंग गिरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार शाम पांच मंजिला बिल्डिंग गिर गई। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल किसी के मरने की खबर नहीं है। हादसे की खबर मिलते ही प्रशासन और दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) की चार गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। वहां पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मलबे के नीचे कोई फंसा न हो। बिल्डिंग गिरने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

कई लोगों के दबे होने की आशंका, राहत और बचाव टीम मौके पर पहुंची

दूरदर्शन बिल्डिंग का पत्थर गिरा, एक युवक गंभीर

आज दिल्ली के तिलक मार्ग थाना इलाके में स्थित दूरदर्शन बिल्डिंग का पत्थर गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पहचान नीरज कुमार (35) के रूप में हुई है।

अदालत ने दिया सुकेश, 20 अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को शहर की पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज किए गए एक मामले में कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और 20 अन्य लोगों के खिलाफ कड़े मकोका प्रावधानों सहित विभिन्न अपराधों के लिए आरोप तय करने का आदेश दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने कहा कि मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि रिकॉर्ड और मामले के आकलन के आधार पर, आरोपियों ने प्रथम दृष्टया अपराध किए हैं। उन पर उक्त अपराधों का आरोप लगाया जाना चाहिए। अदालत ने सुकेश के खिलाफ लोक सेवक होने का ढोंग करने, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी, आपराधिक साजिश रचने के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों और मकोका की धाराओं के तहत संगठित अपराध करने और संगठित अपराध गिरोह के सदस्यों की ओर से बेहिसाब संपत्ति रखने के आरोप तय करने का आदेश दिया। कोर्ट ने सुकेश की पत्नी लीना पॉलोस के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप तय करने का आदेश दिया। 17 अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न आपराधिक मामलों और आईटी अधिनियम तथा महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के प्रावधानों के तहत संगठित अपराध करने के आरोप तय किए जाएं।

मध्य प्रदेश आधारित पुष्प ब्रांड ने आईपीओ के लिए आवेदन किया

इंदौर। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती पैकेज्ड मसाला कंपनियों में से एक पुष्प ब्रांड (इंडिया) लिमिटेड ने प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। इस इश्यू में सुरेंद्र कुमार सुराना और महेंद्र कुमार सुराना (प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक) सहित मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 7,445,000 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। साथ ही ए91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी और सिक्स्थ सेंस इंडिया अपॉर्चुनिटीज (इन्वेस्टर सेलिंग शेयरधारक) भी शामिल हैं। ए91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी ने 2020 में कंपनी में लगभग 125 करोड़ रुपये का निवेश किया। 1974 में मध्य प्रदेश के इंदौर में स्वर्गीय किशनलाल सुराना द्वारा मेसर्स मुनीमजी एंड संस के रूप में स्थापित यह कंपनी एक पारंपरिक क्षेत्रीय मसालों के व्यवसाय से विकसित होकर पुष्प और मुनीमजी ब्रांडों के तहत संचालित होने वाले एक बड़े पैकेज्ड मसालों और खाद्य पदार्थों के व्यवसाय के रूप में विकसित हुई है। पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने शुद्ध मसालों से लेकर मिश्रित मसालों, हींग और संबंधित श्रेणियों तक अपना विस्तार किया है।

शब्द पहेली - 6242

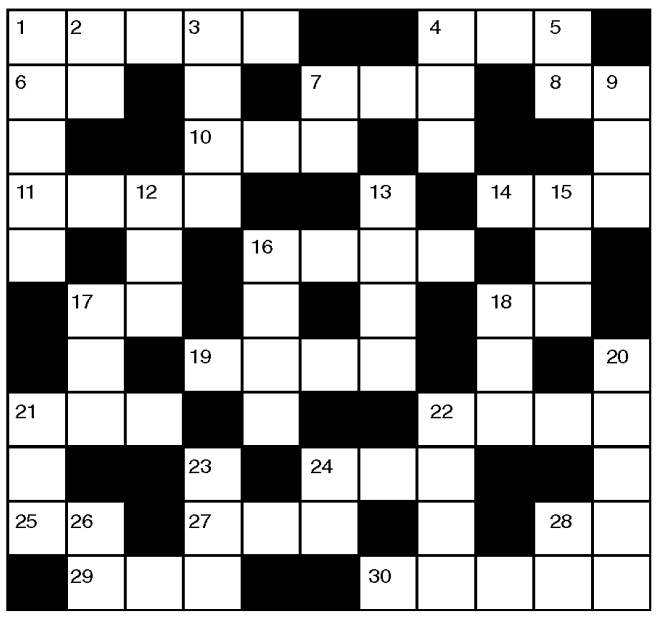

बाएँ से दाए

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह, टीस, लालसा-3
6. हानि, आपत्ति-2
7. दुश्मनी, बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश, आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. शैतानी, बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा, लालसा-4
24. कवि, गजलकार-3
25. जरा, थोड़ा-2
27. मुलायम, नाजुक-3
28. गुफा, खोह-2
29. प्रियतम, सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह. शक्ति-2
3. बिनाबाल वारा, गंजा-4
4. पंक्ति, लाइन-3
5. लड़की, पुत्री, बेटी -2
7. वहम, संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा, कसम -3
13. गंगा का पानी -4
15. तीखा, तीक्ष्ण-3
16. आतुर, धैर्यहीन -4
17. संभवतः-3
18. मर्कट, कपि-3
20. गोविंदा, खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन, प्रेमी-3
24. संध्या, सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना, मास-2

शब्द पहेली- 6241 का हल

	प	रा	या	प	न		म	च	ल	ना
सां	ग		च		का	ली	न		त	ट
ब		त	क	रा	र		का	ल		की
ला	चा	र			दे	श		त	न	य
प		ती		पा	ना		गा		क	
न	क	ब	ज	न		चा	ल	च	ल	न
	हा		मा		च	र		ह		म
म	र	ना		द	म			क	स	क
र		श	क		क	रा	ह	ना		या
दू	ब		ल	बा	दा		रा		या	त्र
द	या	क	र		र	च	ना	का	र	

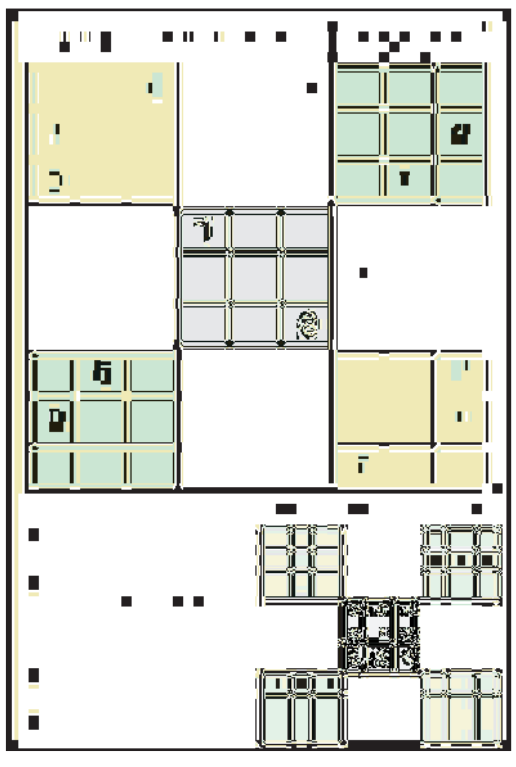

सोनारपुर में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक पर हमला

कपड़े फाड़े, पत्थर-अंडे फेंके, हेलमेट पहनकर भागे तब ही बच सकी जान

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने हमला बोल दिया। उग्र भीड़ ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए, अंडे फेंके और मारपीट की। सुरक्षा बलों ने हेलमेट पहनाकर उन्हें सुरक्षित निकाला। अभिषेक बनर्जी ने इसे भाजपा का प्रायोजित हमला बताया और पुलिस की गैरमौजूदगी का आरोप लगाया। चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान पीड़ितों से मिलने अभिषेक पहुंचे थे। ये पूरी घटना सोनारपुर के कमराबाद इलाके की है। टीएमसी सांसद शनिवार शाम को अपनी पार्टी के एक मृतक कार्यकर्ता के घर पहुंचे थे। वे करीब साढ़े चार बजे कमराबाद पहुंचे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता के साथ बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पहले से मौजूद थे। इस प्रदर्शन में महिलाओं को आगे रखा गया था, जिनके हाथों में कच्चे अंडे थे। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि सड़कों की हालत खस्ता है और पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता। एक तरफ जनता बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है, तो दूसरी तरफ अभिषेक बेनर्जी ने अपने लिए 17 घर खड़े कर लिए हैं।

अभिषेक का आरोप- यह भाजपा प्रायोजित हमला था

ये हालत कर दी थी

» *इस प्रदर्शन में महिलाओं को आगे रखा गया था, जिनके हाथों में कच्चे अंडे थे*

» *अभिषेक ने कहा कि मौके पर कहीं भी पुलिस दिखाई नहीं दे रही थी*

अभिषेक ने बाइक से इलाके में घुसने की कोशिश की

भारी विरोध को देखते हुए अभिषेक बनर्जी अपनी कार छोड़कर बाइक से इलाके के अंदर घुसने लगे। तभी प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित के घर से कुछ सौ मीटर पहले ही उन्हें रोक लिया। उनके सामने चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान उग्र भीड़ ने सड़क पर दो मोटरसाइकिलें भी फेंक दीं, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि इलाके में पिछले 15 साल से कोई विकास नहीं हुआ है। सड़कों की हालत खस्ता है और पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता।

शासक हत्यारे बन गए : ममता

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर कहा, शासक हत्यारे बन गए हैं, भाजपा को शर्म आनी चाहिए। कथित हमले का वीडियो सामने आने के तुरंत बाद पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी आई।

'फर्जी हस्ताक्षर' मामला कल सीआईडी अभिषेक से करेगी पूछताछ

शनिवार सुबह ही अभिषेक को पश्चिम बंगाल सीआईडी ने कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले में समन भेजा है। उन्हें कल यानी सोमवार दोपहर 12 बजे सीआईडी मुख्यालय भवानी भवन में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सीआईडी अधिकारियों ने शनिवार को उनके कालीघाट स्थित आवास पर जाकर नोटिस सौंपा। अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 15 मई को एफआईआर दर्ज की गई थी। उनके खिलाफ बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धमकी भरा बयान देने का आरोप है।

जालंधर में आरटीआई एक्टिविस्ट की हत्या

जालंधर। पंजाब के जालंधर में आरटीआई एक्टिविस्ट और वकील सिमरनजीत सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। यह जानलेवा हमला लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के लॉ गेट के बिल्कुल पास हुआ, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से बड़ी आसानी से फरार हो गए। हमला उनको निशाना बनाकर किया गया था और हमलावर पहले से ही घात लगाकर उनका इंतजार कर रहे थे। जैसे ही सिमरनजीत वहां से गुजरे हमलावारों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल कर हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के प्रयास में जुटी है। जालंधर रेज के डीआईजी नवीन सिंगला के अनुसार कपूरथला कंट्रोल रूम को घटनास्थल पर किसी के शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस को घटनास्थल से .32 बोर की पिस्तौल व 123 बोर की बंदूक बरामद हुई है। पुलिस फिलहाल मामला दर्ज कर सिमरनजीत सिंह की हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के लॉ गेट के पास वारदात
- हमलावरों ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर किया ढेर
- घात लगाकर बैठे थे हमलावर

लुधियाना में बुजुर्ग दंपति की हत्या

लुधियाना(भाषा)। जनता नगर में शनिवार को एक बुजुर्ग दंपति अपने घर के अंदर मृत पाए गए। पुलिस का मानना है कि ये हत्याएं 24 घंटे से भी अधिक समय पहले हुई थीं। पुलिस ने बताया कि मृतक 70 वर्षीय कुलदीप सिंह, जो पहले एक भट्टी का के मालिक थे और उनकी 69 वर्षीय पत्नी हरमीत कौर इस मकान में रहते थे। उनके इकलौते बेटे की 2006 में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, और उनकी चार बेटियां विदेश में रहती हैं। पुलिस के अनुसार, रिश्तेदारों ने दुर्गंध आने और मुख्य दरवाजा अंदर से बंद पाए जाने के बाद पीछे का दरवाजा तोड़ा। दोनों शवों पर सिर और चेहरे पर कई चोटें थीं।

पंजाब में ग्रुप सी और डी की नौकरियों में ठेकेदारी खत्म

चंडीगढ़। पंजाब मंत्रिमंडल ने शनिवार को राज्य के सरकारी विभागों में संविदा और 'आउटसोर्सिंग' प्रणाली के तहत कर्मचारियों की भर्ती की प्रथा को समाप्त करने के उद्देश्य से दो विधेयकों को लाने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में यहां हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। मान ने बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि दो विधेयक- पंजाब स्टेट आउटसोर्स्ड पर्सनल बिल, 2026 और पंजाब राज्य संविदा कर्मी विधेयक, 2026 - राज्य विधानसभा में लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब मंत्रिमंडल ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है कि हम पंजाब से संविदा प्रणाली को समाप्त करेंगे। मान ने बताया कि इससे 51 विभागों में कार्यरत कुल 65,048 आउटसोर्स कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि ''जब हम लोगों से मिलने जाते थे तो संविदा और आउटसोर्सिंग प्रणाली के तहत भर्ती कर्मचारियों से अक्सर शिकायतें सुनने को मिलती थीं।

- 65 हजार कर्मियों को मिलेगा लाभ
- कच्चे कर्मचारियों को सरकारी अनुबंध पर लाकर नियमित करेंगे

पुणे जहरीली शराब मामला: गोदाम से 5,929 किलोग्राम मेथनॉल जब्त

ठाणे। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने ठाणे जिले के उस गोदाम से 5,929 किलोग्राम विषाक्त मेथनॉल जब्त किया है जहां से पिंपरी चिंचवड और पुणे शहर में संदिग्ध जहरीली शराब की आपूर्ति करने वाले अवैध शराब कारोबारियों को इस रसायन की कथित तौर पर आपूर्ति की गई थी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पिंपरी चिंचवड और पुणे शहर में संदिग्ध नकली शराब पीने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई।

मणिपुर में 14 नागरिकों की रिहाई के लिए कुकी समूहों ने किया प्रदर्शन

इंफाल (भाषा)। नागरिक संस्थाओं ने शनिवार को राज्य के कुकी-जो आबादी वाले क्षेत्रों में विरोध रैलियां निकालीं। रैली के दौरान कथित तौर पर बंधक बनाए गए समुदाय के 14 सदस्यों की रिहाई और हाल में हुए हमले में मारे गए चर्च के तीन पदाधिकारियों के लिए न्याय की मांग की गई। चूड़ाचांदपुर जिले में, 'इंडिजीनस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आईटीएलएफ) के तत्वावधान में रैली का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने हिंसा के खिलाफ नारे लगाए और हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने अपहरण किए गए 14 कुकी नागरिकों की सुरक्षित रिहाई की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर भारत कब तक चुप रहेगा?, किसी भी नागरिक को भय में नहीं जीना चाहिए।

जम्मू कश्मीर में तस्करी से जुड़ी दो करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में मादक पदार्थ की तस्करी से प्राप्त धन से कथित तौर पर हासिल की गई लगभग दो करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि श्रीनगर पुलिस ने वर्तमान में जारी नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत नशीले पदार्थ से संबंधित गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों की कई अचल संपत्ति को जब्त किया है। पहले मामले में बेमिना थाना ने कथित मादक पदार्थ तस्कर मुदासिर अहमद पीर उर्फ साहिल उर्फ डोगे से संबंधित लगभग 1.5 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त की है। डोगे यहां बेमिना की फिरदौस कॉलोनी का निवासी है। एनडीपीएस के तहत वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत सक्षम प्राधिकारी से पुष्टि प्राप्त करने के बाद कुर्की की यह कार्रवाई की गई थी।

ट्विशा को फंदे से कैसे उतारा, होगा रिक्रिएशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में अब सीबीआई ने उनकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला से पूछताछ की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूछताछ के लिए सीबीआई ने 50 से ज्यादा सवाल तैयार किए हैं। सप्लीमेंट्री सवाल अलग हैं। सीबीआई अफसरों ने गिरिबाला से सवाल किया कि आप जज रही हैं, कानून जानती हैं। जब आपकी कोई गलती नहीं थी तो आपने एफआईआर से पहले ही अग्रिम जमानत की अर्जी क्यों लगाई? बेटे समर्थ को फरार होने के लिए क्यों कहा? इन पर गिरिबाला पहले चुप रहीं। बाद में उन्होंने माना कि यह गलती थी। उन्हें अंदाजा नहीं था कि इससे उन पर ही संदेह और मजबूत हो जाएगा। समर्थ ने कहा कि उसने ही ट्विशा को फंदे से उतारा था, जबकि मां गिरिबाला ने फंदे की गांठ खोली थी। अब सीबीआई दोनों को घर ले जाकर पूरे घटनाक्रम का रिक्रिएशन करेगी।

सीबीआई ने किए कई सवाल गिरिबाला बोली-गलती हुई

सीबीआई टीम बयानों को क्रॉस चेक करेगी

सीबीआई पहले ही रिटायर्ड जज के घर का मुआयना कर चुकी है और दोनों के शुरुआती बयान भी दर्ज कर चुकी है। अब उन बयानों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर क्रॉस चेक और वेरिफिकेशन करेगी। शुरुआत में दोनों से अलग-अलग पूछताछ होगी। इसके बाद जिन सवालों के जवाबों में विरोधाभास मिलेगा, उन्हें आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में अनोखी चोरी

विदेशी नस्ल के 14 कबूतर व उनके अंडे भी ले उड़े चोर

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक एक अनोखी चोरी का मामला सामने आया है। यहां चोरों एक घर से महंगे और विदेशी नस्ल के 14 कबूतरों को ले उड़े। चोरी हुए कबूतरों में कुछ अंडे भी शामिल बताए गए हैं। कबूतर मालिक ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। चोरों ने यह वारदात रात को अंजाम दी। मिली जानकारी के मुताबिक, मौदहापारा में रहने वाले शेख अंसार (43) अपने घर में मसकली और पंजाबी नस्ल के कबूतर पाले हुए थे। करीब 2 साल पहले उनके बेटे इन्हें रायगढ़ के अलग-अलग जगह से लाए थे, तब से ये कबूतर घर में ही रखे गए थे। शेख अंसार ने थाने में कबूतर चोरी की लिखित शिकायत दी है।

खरीदने के बहाने उनके घर आए थे

शेख अंसार ने बताया कि 24 मई को कुछ लड़के कबूतर खरीदने के बहाने उनके घर आए थे। उन्होंने कबूतर बेचने से मना कर दिया, लेकिन वही लड़के शाम को फिर वापस आए और कबूतरों को कैसे रखा जाता है, यह देखते रहे। इलाके में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है, क्योंकि आमतौर पर चोरी के मामलों में नकदी और सामान निशाने पर रहते हैं, लेकिन इस बार चोर महंगी नस्ल के कबूतर लेकर फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत दर्ज की है।

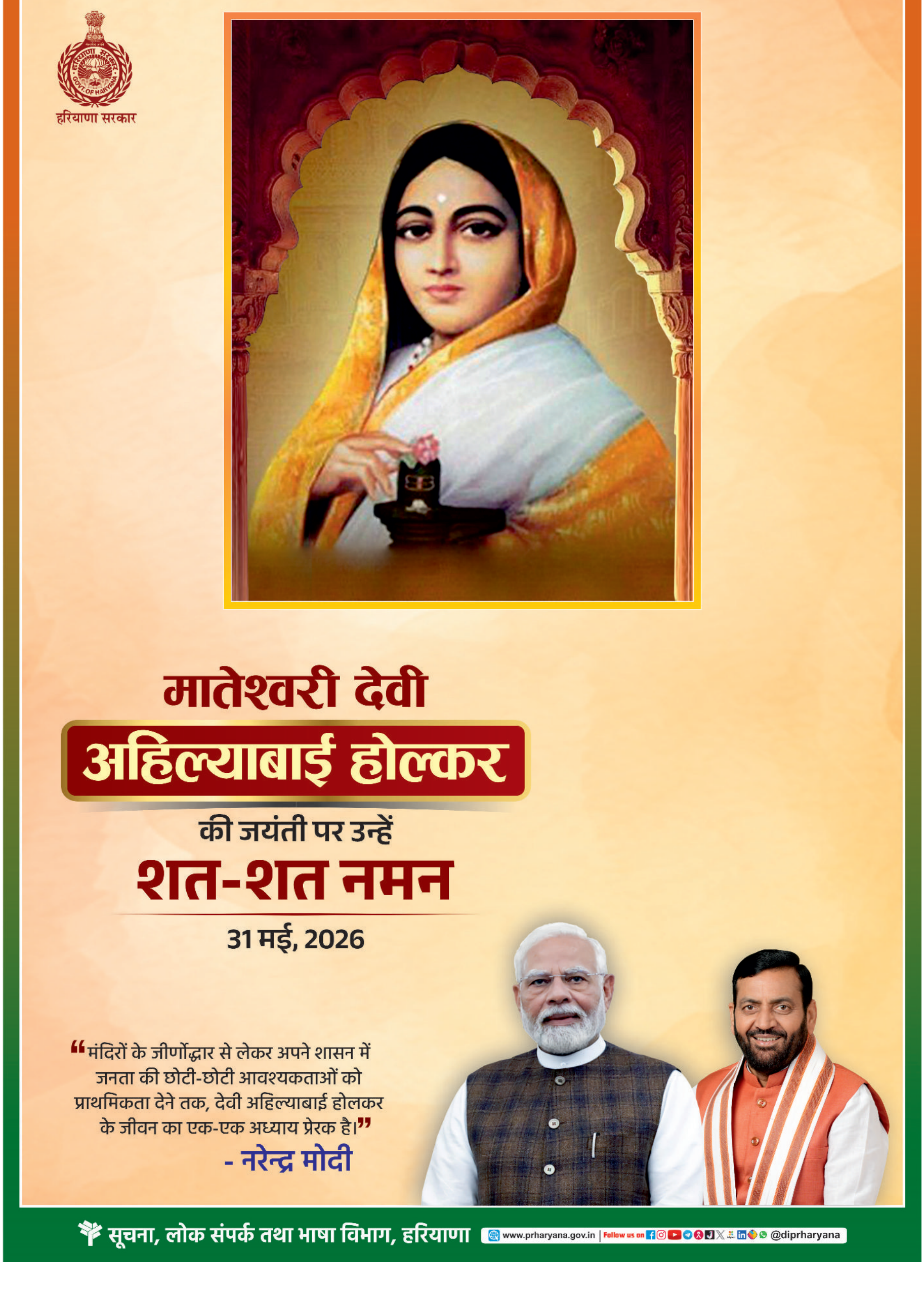

**अल नीनो एक मौसमी घटना है जो प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के गर्म होने से उत्पन्न होती है। यह आमतौर पर भारतीय मानसून को कमजोर करती है, जिससे बारिश कम होने की आशंका बनी रहती है। दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर होने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में अन्य मौसमी कारकों (जैसे 'इंडियन ओशन डायपोल') की सक्रियता के कारण भारत पर अल नीनो का सीधा और विनाशकारी प्रभाव कम हो गया है। फिर भी हमें इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत रहना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जल संरक्षण, पौधरोपण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अल नीनो : भारत पर प्रभाव की आशंका कम

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक इसका विश्लेषण इस तरह करते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। वैसे भी वायुमंडल की गर्मी के कारण मौसम की स्थितियां बदल रही हैं और यह कब कहां क्या रूप लेगा इसकी सटीक भविष्यवाणी पहले से ज्यादा कठिन हो गई है, लेकिन इस तरह हवा पानी की धारा में परिवर्तन और उनसे गर्मी और ठंड क्यों उत्पन्न होती है, इसका विश्लेषण कोई नहीं करता।

फिर एक बार हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। हालांकि जैसा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अभी मौसम विभाग का अंतिम अनुमान नहीं आया है, लेकिन अल नीनो से फसलों पर कोई बुरा असर न पड़े, इसको लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इसके अनुसार हम बीज की व्यवस्था कर रहे हैं। यानी जिस राज्य की जैसी आवश्यकता होगी, जो स्थिति होगी, उनके अनुसार काम किया जाएगा। कृषि मंत्री के आश्वासन से निश्चित रूप से देश को थोड़ी राहत मिली है। किंतु मनुष्य की कोई भी व्यवस्था प्रकृति के प्रकोप के समक्ष कमजोर होती है, इसलिए सबकी कामना होगी कि भारत अल नीनो के नकारात्मक प्रभाव से मुक्त रहे।

पहले समझें कि अल नीनो है क्या? अल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है, छोटा बच्चा। इसके अर्थ पर मत जाइए। सामान्य भाषा में कहें तो अल-नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र पर फैली गर्मी के कारण होता है। यानी प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग या पेरू के निकट समुद्री तट और पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यानि समान तापमान से चार-पांच डिग्री अधिक। यही अल नीनो है।

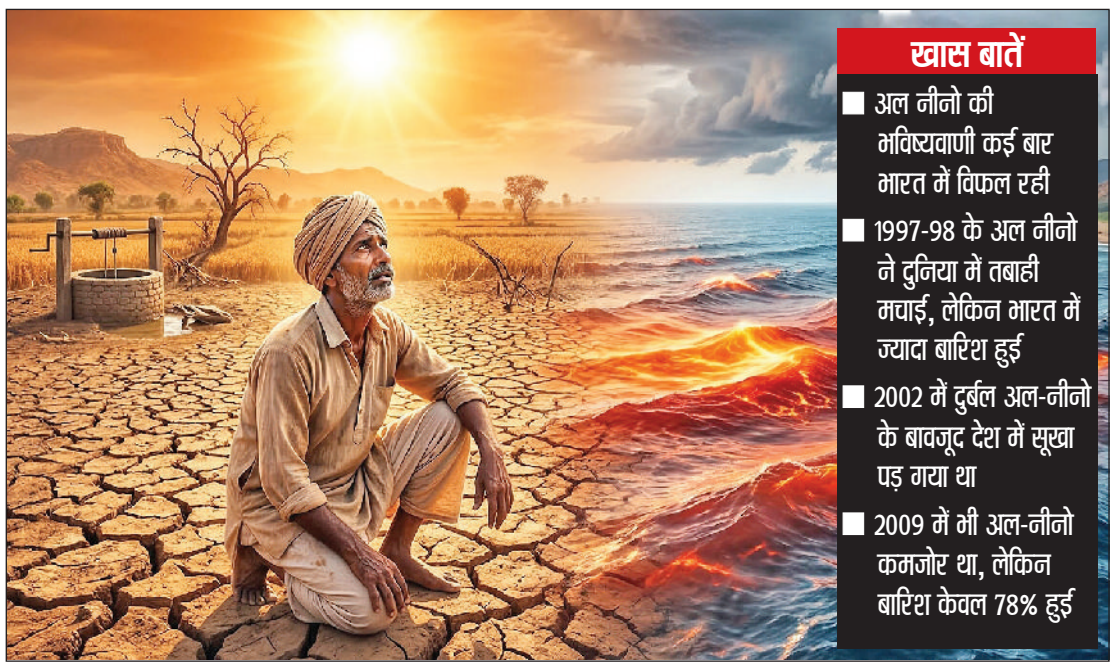

खास बातें

- अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही
- 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया में तबाही मचाई, लेकिन भारत में ज्यादा बारिश हुई
- 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद देश में सूखा पड़ गया था
- 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई

मौसम प्रणालियों का संतुलन

इस गर्मी से समुद्र में चल रही हवाओं के रास्ते और रफ्तार में बदलाव आता है और विश्व भर की मौसम प्रणालियों का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे भारत में मानसून कमजोर होने, कम बारिश और भीषण गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। हम न भूलें कि वैज्ञानिक को जो कुछ उस दौरान अध्ययनों से दिखाई देता है, केवल उसे सामने लाते हैं। प्रकृति के संपूर्ण रहस्य को न कोई समझ पाया और न समझ सकता है। इसीलिए विश्व में अब नास्तिकों और अनिश्वरवादियों की संख्या कम हो चुकी है। सभी प्राकृतिक घटनाओं के पीछे केवल वैज्ञानिक कारण देखने की जगह अधिकांश ब्रह्मांड के नियंता के प्रभाव के रूप में देखते-समझते हैं। वर्तमान मानव सभ्यता के सच्चे इतिहास को देखते हुए यही दिशा उचित है। अल नीनो कैसे प्रभाव डालता है? वस्तुतः व्यापारिक हवाएं समान्यतः पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया और एशिया की तरफ ले जाती रहती है। अल नीनो के समय ये हवाएं या तो कमजोर हो जाती हैं या उल्टी दिशा में बहने के कारण, गर्म पानी वापस अमेरिका और पेरू के तटों की ओर जाती हैं। इस कारण पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। प्रशांत महासागर के तापमान से वैश्विक मौसम प्रभावित होता है।

खरीफ फसलों को नुकसान

इससे गर्मी बढ़ने और उसके परिणामस्वरूप कहीं भयंकर सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, और भारत सहित दक्षिणी एशिया के कुछ क्षेत्रों में वर्षा कम होती है और सूखे की स्थिति बनती है। दूसरी ओर दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र के तटीय इलाके यानी पेरू जैसे देश में अत्यधिक बारिश और बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। भारत की दृष्टि से विचार करें तो अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। गर्मी के समय तापमान बढ़ जाए तो फिर इसकी चपेट में मनुष्य, पशु-पक्षी और वनस्पति सब आते हैं। अल नीनो के विपरीत भी स्थिति होती है जिसे ला नीना कहा जाता है। इसमें प्रशांत महासागर का जल सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है और भारत में जबरदस्त बारिश की स्थिति बनती है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ही अर्थव्यवस्था और कृषि का आधार है। 1951 से 2022 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि अपवादों को छोड़ अल नीनो वाले वर्षों में बारिश औसत से 60% तक कम हुई।

कई बार विफल रहीं भविष्यवाणी

1871 के बाद से जब-जब भयंकर सूखा पड़ा, अल नीनो उसके साथ जुड़ा था। हालांकि कई बार सशक्त अल नीनो के बावजूद हमारे देश में सामान्य या औसत से अधिक बारिश भी हुई। वास्तव में अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही। कम से कम 1997-98, 1983 और 1994 में मजबूत अल-नीनो होने के बावजूद मौसम को लेकर वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी सही साबित नहीं हुई। 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया भर में तबाही मचाई, लेकिन हमारे यहां मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिक इसका कारण सकारात्मक हिन्द महासागर द्विध्रुव या पॉजिटिव इंडियन ओशन डिपोल आईओडी बताते। इसमें पश्चिमी हिंद महासागर गर्म और पूर्वी भाग ठंडा होता है, तो यह अल-नीनो के नकारात्मक प्रभाव को कम कर देता है। यही हुआ। इसके पहले 1983 में भी अल-नीनो ने विश्व के लिए समस्याएं पैदा की लेकिन भारत में औसत से अधिक बारिश हुई। यही स्थिति 1994 और 2006 में हुई। हालांकि 2006 में अल-नीनो काफी दुर्बल था। इस मामले में भी विपरीत स्थितियां हुई। उदाहरण के लिए 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद सूखा पड़ गया। 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई और सूखा पड़ा।

हमें रहना होगा अलर्ट

कारण वही, जिसकी हमने ऊपर चर्चा की। यानी प्रशांत महासागर का पूर्वी हिस्सा ठंडा होने और अन्य मौसमी स्थितियों ने मानसून को ताकत दी। पिछले सात दशकों में 17 प्रमुख अल-नीनो में से 5 में भारत में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा हुई। सभी अल नीनो में सूखे की भविष्यवाणी की गई थी। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। हमारे सामने अल नीनो के बीच सामान्य बारिश होने और बेहतर फसल का रिकॉर्ड है तो कुछ सूखे का भी। सूखे का रिकॉर्ड हमारा कम है। बावजूद निश्चयात्मक रूप से नहीं कह सकते कि अल नीनो आया तो क्या होगा? सरकार के साथ सेवा क्षेत्र में काम करने वाले संगठन समूह भी अपनी तैयारी रखें।

ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई व्यवस्था जरूरी

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहां कृषि अभी- भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए। भारत की करीब साठ प्रतिशत आबादी अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए, जिनके ज़रिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज़्यादा पैदावार ली जा सके।

भारत में भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम

अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफ़ी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है।

जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय

जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूंकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की मांग बढ़ेगी। इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं ।

रासायनिक खाद के उपयोग वाली फसलों से बचें

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज़्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जलसंरक्षण और पौधरोपण पर दें ध्यान

व्यवस्था

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कल्पना कीजिए, मानसून आया ही नहीं। खेत सूखे पड़े हैं, किसान चिंतित हैं और बाजार में सब्जियों-अनाज के दाम आसमान छू रहे हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि अल नीनो के दौरान भारत में कई बार हो चुकी सच्चाई है। अल नीनो एक प्राकृतिक घटना है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का पानी अचानक गर्म हो जाता है। भारत में इसका सबसे ज्यादा असर दक्षिण-पश्चिम मानसून पर पड़ता है। बारिश कम होती है, सूखा पड़ता है, फसलें बर्बाद होती हैं और गर्मी और बढ़ जाती है। 2015-16 में जब मजबूत अल नीनो आया था, तब देश के कई राज्यों में भारी सूखा पड़ा। किसानों की फसलें सूख गईं, पानी की किल्लत हुई और खाद्य सुरक्षा पर संकट आ गया। अब जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो और भी ताकतवर हो सकता है। ऐसे में सवाल यह है कि इसके असर को कैसे कम किया जाए?

चेतावनी पहले, नुकसान बाद में

सबसे जरूरी है सही समय पर चेतावनी मिलना। भारतीय मौसम विभाग अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री एवं वायुमंडलीय प्रशासन के साथ मिलकर अल नीनो की निगरानी करता है। सैटेलाइट, समुद्र में लगे बुओय और कंप्यूटर मॉडल की मदद से कई महीने पहले पता चल जाता है कि अल नीनो आ रहा है या नहीं। बुओय समुद्र में तैरने वाला एक विशेष उपकरण होता है। यह एक प्रकार की 'तैरती निगरानी मशीन' है जो महासागर के बीच में लगाई जाती है। अगर किसान को पहले पता चल जाए कि इस साल बारिश कम होगी, तो वह अपनी फसल की योजना बदल सकता है।

भारत में आधी से ज्यादा आबादी अभी भी खेती पर निर्भर है। इसलिए कृषि को अल नीनो की मार से बचाना सबसे बड़ा चुनौती है। किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है। खेतों में वर्षा जल संचयन, चेक डैम और फार्म पॉन्ड बनाकर पानी को रोकना और भूजल बढ़ाना चाहिए। अल नीनो सूखे का सबसे बड़ा कारण बनता है। इसलिए जल प्रबंधन को लेकर अब गंभीर कदम उठाने पड़ेंगे। नदियों के पूरे क्षेत्र में पानी का बेहतर प्रबंधन, भूजल का संरक्षण और गंदे पानी का दोबारा इस्तेमाल जरूरी है। शहरों में वर्षा जल संचयन को कानून से अनिवार्य बनाना चाहिए। वन और पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पेड़ लगाना अल नीनो से लड़ने का सबसे सस्ता और असरदार तरीका है। पेड़ हवा में नमी बढ़ाते हैं, स्थानीय बारिश को बढ़ावा देते हैं और मिट्टी को कटने से बचाते हैं।

किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है।

आपदा से पहले तैयारी जरूरी

अल नीनो सिर्फ सूखा नहीं लाता, बल्कि कभी-कभी भारी बारिश, बाढ़, जंगल की आग और बीमारियां (मलेरिया, डेंगू) भी बढ़ा देता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को और मजबूत बनाने की जरूरत है। गांव-गांव में समुदाय आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली होनी चाहिए। हर गांव में सूखा प्रबंधन योजना, फसल बीमा और आपात अनाज भंडारण तैयार रखना चाहिए। सरकार को लंबी अवधि की नीतियां बनानी होंगी। कृषि, जल संसाधन और विज्ञान मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) जैसे मंचों पर सहयोग बढ़ाना चाहिए।विकसित देशों से बेहतर तकनीक और फंडिंग भी लानी होगी। छोटे किसानों को सब्सिडी, सस्ता कर्ज और प्रशिक्षण देना जरूरी है। मनरेगा को जल संरक्षण के कामों से जोड़ें। महिलाओं और आदिवासी समुदायों को खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि वे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और स्मार्ट सेंसर वाली खेती भविष्य की राह हो सकती है।

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनें

अल नीनो को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसके असर को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। एक बात जाने लें कि हर नागरिक को पानी बचाने, पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। अगर आज हम सही कदम उठाएंगे, तो कल हमारे बच्चे अल नीनो जैसी चुनौतियों से कम डरेंगे।

आधुनिक कृषि तकनीकों से बढ़ेगी पैदावार

उत्पादन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

भीषण गर्मी के लंबे दौर के बाद देश के कुछ हिस्सों में भले ही छिटपुट बारिश शुरू हो गई हो, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान ने कृषि क्षेत्र की चिंताओं को कम नहीं किया है। कई राज्यों में जमीन की नमी तेजी से घट रही है और कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां बनने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि यही स्थिति आगे भी बनी रही, तो इसका सीधा असर खेती-किसानी, जल संसाधनों और प्राकृतिक हरियाली पर पड़ सकता है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहता। यहां अल नीनो का संबंध अक्सर कमजोर मानसून और कम वर्षा से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि जब भी अल नीनो सक्रिय होता है, किसानों और कृषि विशेषज्ञों की चिंता बढ़ जाती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है। हालांकि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन देश का एक बड़ा कृषि क्षेत्र अब भी मानसून की बारिश पर ही निर्भर है।

अच्छी बरसात पर निर्भर फसलें

ऐसे में मानसून का सामान्य रहना किसानों के लिए जीवन-रेखा के समान है। यदि समय पर पर्याप्त वर्षा हो जाए तो फसलों की पैदावार अच्छी होती है, लेकिन बारिश कम होने पर उत्पादन प्रभावित होना तय है। भारत में सामान्य रूप से जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहता है और इसी अवधि में देश की अधिकांश वार्षिक वर्षा होती है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और विभिन्न प्रकार की दालें जैसी प्रमुख फसलें मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर करती हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो, तो फसलों की वृद्धि प्रभावित होती है और उत्पादन में गिरावट आने लगती है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। अल नीनो को आसान भाषा में समझें तो मान लीजिए आपके घर में एक बड़ा पानी का टैंक है। यदि उसका पानी अचानक सामान्य से अधिक गर्म हो जाए, तो उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होने लगेगा। ठीक इसी तरह जब समुद्र का पानी गर्म होता है, तो हवा, बादलों और वर्षा के तौर-तरीके में बदलाव आने लगता है। फलस्वरूप, कई क्षेत्रों में बारिश कम हो जाती है और तापमान बढ़ जाता है। यही स्थिति मानसून को कमजोर कर सकती है। इसका प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। यदि किसी क्षेत्र में सामान्य वर्षों की तुलना में कम बारिश होती है, तो मिट्टी में नमी की कमी हो जाती है। किसानों को बुवाई में देरी करनी पड़ सकती है या कई बार दोबारा बुवाई करनी पड़ती है। इससे उनकी लागत बढ़ती है और जोखिम भी। जलाशयों, तालाबों और भूजल स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है।

मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

कृषि उत्पादन में कमी

कई इलाकों में पशुपालन और पेयजल व्यवस्था तक प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो वाले वर्षों में कृषि उत्पादन में कमी आने की आशंका बढ़ जाती है। जब पैदावार घटती है तो खाद्यान्न की उपलब्धता भी प्रभावित होती है। इसका असर बाजार पर पड़ता है और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं। महंगाई बढ़ने से आम उपभोक्ता प्रभावित होते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ता है। इस प्रकार अल-नीनो का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और समाज पर दिखाई देता है। हालांकि राहत की बात यह है कि मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। इससे सरकारों, कृषि विभागों और किसानों को आवश्यक तैयारियां करने का अवसर मिलता है। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

वैकल्पिक संसाधनों का विकास

यदि इस वर्ष अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षा से अधिक रहा, तो कृषि उत्पादन पर इसका असर दिखाई दे सकता है। इसलिए समय की मांग है कि हम केवल अच्छी बारिश की प्रतीक्षा करने के बजाय जल प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीकों और वैकल्पिक संसाधनों के विकास पर गंभीरता से काम करें।

कम उम्र में खेल का दबाव: बचपन और भविष्य दोनों दांव पर

- ओवर-ट्रेनिंग, मानसिक तनाव और पेरेंट्स का दबाव भी कर रहा खेल से दूर
- डॉक्टर्स और कोच बोले, सही उम्र में सही ट्रेनिंग ही बनाएगी सफल खिलाड़ी
- कम उम्र में एक ही खेल पर जोर से बढ़ रहीं चोटें, बर्नआउट और खेल छोड़ने की घटनाएं
- ग्रोथ प्लेट इंजरी, मानसिक दबाव और थकान बच्चों के करियर पर डाल रहे असर
- खेल को आनंद की तरह लें, बच्चों पर चैंपियन बनने का बोझ न डालें

विशेषज्ञों की चेतावनी: खेल के जुनून में बढ़ रहीं गंभीर चोटें, सावधानी जरूरी

13-15 साल से पहले अर्ली स्पेशलाइजेशन को विशेषज्ञों ने बताया नुकसानदेह

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

संडे स्पेशल

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कम उम्र में बच्चों पर खेल में सफल होने का दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जिसका असर उनके बचपन और भविष्य दोनों पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, छोटी उम्र में एक ही खेल पर अत्यधिक फोकस और ओवर-ट्रेनिंग से बच्चों में गंभीर चोटें, मानसिक तनाव, थकान और खेल से दूरी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। डॉक्टरों और कोचों का कहना है कि 13-15 साल से पहले अर्ली स्पेशलाइजेशन बच्चों के शारीरिक विकास के लिए नुकसानदेह हो सकता है। ग्रोथ प्लेट इंजरी, लिगामेंट डैमेज और बर्नआउट के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों को पहले खेल का आनंद लेने दें, विविध खेलों का अनुभव दें और उम्र के अनुसार ही ट्रेनिंग कराएं। सही मार्गदर्शन, संतुलित आहार और पर्याप्त आराम ही बच्चों को लंबे समय तक सफल खिलाड़ी बना सकता है।

70% युवा खिलाड़ी 13 वर्ष की उम्र तक छोड़ देते हैं खेल

आंकड़ों के अनुसार अत्यधिक दबाव के कारण करीब 70% खिलाड़ी 13 वर्ष की उम्र तक खेल ही छोड़ देते हैं। लड़कियों में 13 से 15 वर्ष और लड़कों में 15 से 17 वर्ष की उम्र तक ग्रोथ प्लेट (हड्डियों के छोर पर बनी नरम उपास्थि) खुली रहती है। यह हिस्सा बेहद नाजुक होता है। कम उम्र में अत्यधिक अभ्यास से गंभीर चोटें देखी जा रही हैं। 5-6 वर्ष से पहले बच्चों पर सिर्फ 'फ्री प्ले' (दौड़ना, कूदना) का फोकस होना चाहिए। 6-9 वर्ष की आयु में सरल नियम वाले और 10-12 वर्ष के बाद ही जटिल रणनीति वाले टीम खेलों में बच्चों को डालना चाहिए। 13-15 वर्ष से पहले किसी एक खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की बजाय उन्हें विविध खेलों का अनुभव दें। ताकि वे बर्नआउट और मानसिक तनाव से बच सकें। -डॉ. राजेश रोहिल्ला, वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, खेल चिकित्या विभाग, पीजीआईएमएस रोहतक

एआई जेनरेटिड फोटो।

इन चोटों का खतरा अधिक

- **ग्रोथ प्लेट इंजरी:** हड्डियों के सिरों पर मौजूद नरम हिस्से पर दबाव पड़ने से ग्रोथ प्रभावित हो सकती है।
- **लिटिल लीगर शोल्डर:** तेज गेंदबाजी या ओवरहेड थ्रो से कंधे की ग्रोथ प्लेट में सूजन और दर्द।
- **जिमनास्ट्स रिस्ट:** कलाई पर लगातार दबाव पड़ने से सूजन और कमजोरी।
- **लिगामेंट इंजरी:** कुश्ती, कबड्डी और फुटबॉल जैसे खेलों में घुटने व कंधे के लिगामेंट फटने का खतरा।
- **ओसगुड-श्लैटर बीमारी:** घुटनों के नीचे दर्द और सूजन, जो तेजी से बढ़ते बच्चों में ज्यादा देखी जाती है।
- **मांसपेशियों में खिंचाव:** बिना आराम और ओवर-ट्रेनिंग से मसल स्ट्रेन।
- **स्ट्रेस फ्रैक्चर:** लगातार दबाव के कारण हड्डियों में महीन दरारें।
- **पीठ और रीढ़ की समस्या:** गलत तकनीक और भारी ट्रेनिंग से कमर दर्द व रीढ़ पर असर।
- **मानसिक बर्नआउट:** लगातार दबाव से तनाव, आत्मविश्वास में कमी और खेल छोड़ने की स्थिति।
- **लंबाई रुकने का खतरा:** गंभीर ग्रोथ प्लेट डैमेज होने पर शारीरिक विकास प्रभावित हो सकता है।

कुश्ती के लिए 7 से 8 साल की उम्र सही

कुश्ती की शुरुआत करने के लिए बच्चे की सही उम्र कम से कम 7 से 8 साल होनी चाहिए। इससे छोटे बच्चों को सीधे मैट या अखाड़े में उतारने के बजाय पहले जिम्नास्टिक करानी चाहिए। जिम्नास्टिक से बच्चों के शरीर में बेहतरीन लचीलापन (फ्लेक्सिबिलिटी) आता है, जिसकी कुश्ती में सबसे ज्यादा जरूरत होती है। अंडर-14 जैसे छोटे बच्चों को बड़ों की तरह हैवी ट्रेनिंग नहीं देनी चाहिए। मैदान पर वॉर्म-अप और कूल-डाउन का पूरा ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही अखाड़े या मैट की स्थिति (मिट्टी की नमी, मैट के बीच का गैप आदि) को जांचना आवश्यक है। बच्चों को जबरदस्ती बहुत ज्यादा खिलाने के बजाय प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर संतुलित आहार देना चाहिए। **-रणबीर ढाक**, कुश्ती कोच

बॉक्सिंग में हाइट सबसे पहला पैमाना

मुक्केबाजी शुरू करने की सही उम्र 6 से 12 साल के बीच है। बॉक्सिंग में लंबी हाइट (कद) वाले बच्चों के कामयाब होने के चांस सबसे ज्यादा होते हैं। अगर हाइट कम है, तो रिंग में आगे बढ़ना बेहद मुश्किल हो जाता है। खिलाड़ियों का चयन करने के लिए हाइट के बाद जंप (ब्रॉड जंप, हाई जंप) और स्पीड परखने के लिए शटल रनिंग करवाई जाती है। इस उम्र से खिलाड़ियों की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग शुरू कर दी जाती है, क्योंकि 13 साल का बच्चा अपने पहले ऑफिशियल कॉम्पिटिशन में उतरने के लिए तैयार हो जाता है। आजकल पेरेंट्स का बढ़ता हस्तक्षेप ठीक नहीं है। इससे गेम डाउन आ रहा है। **-संजीव**, बॉक्सिंग कोच

छोटे बच्चों की स्ट्रेचिंग ज्यादा करवाएं

कबड्डी में आमतौर पर 12 साल की उम्र के बच्चे आते हैं। छोटे बच्चों की स्ट्रेचिंग ज्यादा करवाई जाती है। छोटे बच्चों के लिए एक्सरसाइज के रेपिटिटिशन कम रखे जाते हैं, जबकि बड़े खिलाड़ियों के लिए इसे बढ़ा दिया जाता है। शुरुआत में बच्चों को सीधे कठिन ट्रेनिंग देने के बजाय उनमें खेल के प्रति आदत डालना और रुचि पैदा करना मुख्य उद्देश्य होता है। बच्चे के शारीरिक ढांचे और बनावट के हिसाब से खेल का चयन किया जाता है। इसके लिए बैटरी टेस्ट लिया जाता है। इससे यह देखा जाता है कि बच्चा खड़े-खड़े कितनी दूर तक कूद सकता है, जिससे पैरों की ताकत का पता चलता है। **-दिनेश खर्ब**, कबड्डी कोच

शुरूआत में एक ही खेल पर फोकस न करें

क्रिकेट की शुरुआत 4 से 5 साल की उम्र में की जा सकती है। इस उम्र में इसे सिर्फ खेल की बुनियादी शुरुआत के तौर पर देखा जाना चाहिए। जिम्नास्टिक, स्विमिंग और एथलेटिक्स: ये ऐसे खेल हैं जो हर खिलाड़ी के लिए 'बेस' (आधार) का काम करते हैं। अगर शुरुआती स्तर पर बच्चे को इनमें से कुछ सिखाया जाए, तो आगे चलकर वह किसी भी खेल में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। 5 साल के बच्चे और 11-12 साल के बच्चे की ट्रेनिंग एक जैसी नहीं हो सकती। 5 साल के बच्चे की ट्रेनिंग भी 'प्ले स्कूल' की तरह होनी चाहिए। इसमें सिर्फ उठना-बैठना और खेल का आनंद लेना सिखाया जाता है। इस उम्र में उन पर भारी-भरकम नियमों या कठिन प्रैक्टिस का बोझ डालना गलत है। **-बबलू**, कोच क्रिकेट

ऑरेंज कैप	पर्पल कैप
वैभव सूर्यवंशी	कगिसो रबाडा
776 रन	26 विकेट
राजस्थान	गुजरात

अंडर-18 महिला एशिया कप
नौशीन के दो गोल से भारत ने मलेशिया को हराया

काकामिगहारा (जापान)। पंद्रह साल की नौशीन नाज की दो गोल की मदद से भारत ने शनिवार को यहां अंडर-18 महिला एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप के पूल ए के एक मैच में मलेशिया को 2-1 से हराकर विजयी शुरुआत की। मैच के पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन नौशीन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर 19वें मिनट में भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। नौशीन ने इसके बाद 28वें मिनट में एक और शानदार गोल दागा। उन्होंने मलेशिया की गोलकीपर को चकमा देते हुए सटीक शॉट लगाया और भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया जिससे मध्यांतर तक भारत मजबूत स्थिति में रहा।

उलटफेर का शिकार हुए जोकोविच, नया पुरुष चैंपियन बनना तय

पेरिस। विश्व नंबर-एक यानीक सिनर के बाहर होने के बाद अब दिग्गज नोवाक जोकोविच के भी उलटफेर का शिकार हो जाने से फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल खिताब की दौड़ पूरी तरह खुल गई है और यह तय हो गया है कि रोलां गैरो को नया चैंपियन मिलेगा। ब्राजील के 19 वर्षीय खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने तीसरे दौर में जोकोविच को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। यह मुकाबला दो घंटे से अधिक समय तक चला और अंत तक बेहद संघर्षपूर्ण रहा।

मुकाबला आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से
बेंगलुरु दूसरी बार जीतना चाहेगी ट्रॉफी मजबूत गुजरात खिताब छीनने बेकरार

***अहमदाबाद।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के सपने को पूरा करने के लिए रविवार को मैदान में उतरेगी तो उसके सामने गुजरात टाइटंस की कड़ी चुनौती होगी जो किसी भी हालत में खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी। आरसीबी ने अपने आक्रामक और बेखौफ अंदाज से टूर्नामेंट में दबदबा कायम किया है, तो वहीं टाइटंस ने धैर्य और संयमित खेल से प्रभावित करते हुए पांच वर्षों में तीसरी बार फाइनल का टिकट पक्का किया है। कागजों पर मौजूदा चैंपियन आरसीबी को 2022 की विजेता टाइटंस के खिलाफ मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि इस पूरे टूर्नामेंट में उनका बेखौफ और जोखिम भरा खेल बेहद प्रभावशाली रहा है।*

प्रतियोगिता जीतने मजबूत गेंदबाजी की जरूरत : रजत

कप्तान रजत पाटीदार को भरोसा है कि भुवनेश्वर कुमार की अगुवाई वाला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मजबूत गेंदबाजी आक्रमण टीम को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। आरसीबी रविवार को यहां आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी। पाटीदार ने खिताबी मुकाबले से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि किसी भी बड़ी प्रतियोगिता को जीतने के लिए मजबूत गेंदबाजी इकाई का होना बेहद जरूरी है।

बड़े स्कोर का बचाव अधिक मुश्किल काम

उन्होंने कहा, /"अगर आपको टूर्नामेंट जीतना है तो आपके पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण होना चाहिए। इस विकेट पर 200-220 रन बनाना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन इतने बड़े स्कोर का बचाव करना कहीं अधिक मुश्किल होता है। इसलिए बेहतर गेंदबाजी इकाई सफलता की कुंजी है।/"

गेंदबाजी की रीढ़ हैं भुवनेश्वर कुमार

पाटीदार ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की जमकर सराहना की। उन्होंने 15 मैचों में 26 विकेट लेने वाले भुवनेश्वर को आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ बताया।

भारत ने तीसरे दिन तीन स्वर्ण पदक जीते पदक तालिका में दूसरे स्थान पर कायम

भाषा ▶▶ हांगकांग

भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण पदक जीतकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और शनिवार को यहां एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप के तीसरे दिन पदक तालिका में दूसरा स्थान बनाए रखा। निखिल चंद्रशेखर (3000 मीटर स्टीपलचेज), बसंत (ऊंची कूद) और शाहनवाज खान (लंबी कूद) ने भारत के स्वर्ण पदक की संख्या को बढ़ाकर सात कर दिया। भारत ने शुक्रवार को चार स्वर्ण पदक जीते थे। निखिल चंद्रशेखर ने 9:25.44 सेकंड के समय से पहला स्थान हासिल किया। यह उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। शाहनवाज खान ने दबदबा बनाते हुए दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दिन की उनकी सबसे लंबी कूद 7.84 मीटर थी। उनके हमवतन जिथिन अर्जुनान रमन चंद्रशेखरन ने 7.66 मीटर की कूद से रजत पदक जीता। शनिवार को भारत का तीसरा स्वर्ण पदक बसंत ने 2.20 मीटर की ऊंची कूद लगाकर दिलाया। आरती ने पदक तालिका में

एक कांस्य पदक जोड़ा। उन्होंने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 24.12 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया जो उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। भूमिका संजय नेहते 24.13 सेकंड के समय के साथ बहुत कम अंतर से चौथे स्थान पर रहीं। चीन 10 स्वर्ण पदक के साथ पदक तालिका में सबसे आगे है। भारत सात स्वर्ण पदक के साथ फिलहाल पदक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

मनु और राणा ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता

म्यूनिख। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और सम्राट राणा ने शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। ओलंपिक पदक विजेता मनु और राणा की जोड़ी ने फाइनल में 483.6 का स्कोर करके भारत के लिए पोडियम पर जगह पक्की की। चीन के कियानक्सुन याओ और काई हू ने कुल 483.9 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन के ही शेन यियाओ और बू शुआईहांग ने 418.0 के स्कोर के साथ कांस्य पदक से संतोष किया। भारतीय जोड़ी 582 के कुल स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहकर पदक दौर के लिए क्वालीफाई किया। दो ओलंपिक पदक विजेता मनु ने 292-12 एक्स का जबकि मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन राणा ने 290-9 एक्स का स्कोर किया। इससे वे यियाओ और शुआईहांग की चीनी जोड़ी से ठीक पीछे रहे जिन्होंने 584 के स्कोर के साथ क्वालीफायर में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इसी स्पर्धा में अन्य भारतीय प्रतिभागियों सुरुचि इंदर सिंह और श्रवण कुमार ने कुल 575 के स्कोर के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने फाइनल में बनाई जगह

सिंगापुर। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने शनिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे की शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की नंबर एक जोड़ी को सीधे गेम में हराकर उलटफेर करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। भारत की चौथी वरीय जोड़ी ने 52 मिनट चले सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी हो और जे को 21-19, 21-18 से मात दी। अब रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी का सामना इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी तथा चीन के लियांग वेई कांग और चांग वांग की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया से हारी, चार मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर

एजेंसी ▶▶ पर्थ

भारतीय महिला हॉकी टीम चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के आखिरी मैच में आस्ट्रेलिया से 2-3 से हार गई जिससे श्रृंखला 2-2 से बराबरी पर खत्म हो गई। भारत ने दूसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत कौर के गोल के दम पर बढत बना ली थी। दूसरे क्वार्टर में दीपिका सोरेंग ने 23वें मिनट में गोल करके भारत की बढत दुगुनी कर दी।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में की वापसी

आस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में एबी विल्सन (42वां) और ओलिविया डोनेस (44वां) के गोल के दम पर वापसी की। कर्टनी शोनेल ने 58वें मिनट में गोल करके आस्ट्रेलिया को 3-2 से जीत दिलाई। इस हार के बावजूद यह दौरा भारत के लिये अच्छा रहा। पहला मैच हारने के बाद भारत ने दो मैच जीतकर वापसी की। न्यूजीलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप से पहले भारतीय टीम ने जबर्दस्त दृढता, अनुशासन और जुझारूपन दिखाते हुए अपनी तैयारी पुख्ता की।

अंडर-17 एशियाई कुश्ती: भारतीय महिलाओं ने जीते 10 पदक

नई दिल्ली। भारत की महिला पहलवानों ने वियतनाम के दा नांग में हुई अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक जीते जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। दीक्षा और गरिमा ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में जबरदस्त जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीते। भारत ने निकिता (49 किग्रा), अंतरा (65 किग्रा) और तानिया (69 किग्रा) के जरिए तीन रजत पदक भी अपने नाम किए। कांस्य पदक जीतने वालों में पलक (40 किग्रा), अनामिका (46 किग्रा), अक्षरा (53 किग्रा), साक्षी (57 किग्रा) और मान्या (61 किग्रा) शामिल हैं। इन सभी ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर पोडियम पर जगह बनाई। कांस्य पदक मुकाबलों में पलक ने अरुके नुरबेकोवना नुरबेकोवा को, अनामिका ने इंझू बक्कोझा को, अक्षरा ने एमा अराकावा को, साक्षी ने शियिंग वांग को और मान्या ने आइगेरिम पोलातबे को हराया।

सभी भार वर्ग में हरियाणा की महिला पहलवानों का चयन
एशियन गेम्स ट्रायल में हरियाणा की बेटियों का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दिल्ली के इंदिरा गांधी (आईजी) स्टेडियम में शनिवार को एशियन गेम्स की चयन ट्रायल आयोजित की गई। इसमें 6 भार वर्ग में महिला खिलाड़ियों का चयन किया गया। सभी भार वर्ग में हरियाणा की महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई। ये खिलाड़ी 30 सितंबर से 3 अक्तूबर तक जापान में होने वाले एशियन गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। 50 किलोग्राम भार वर्ग में रोहतक की दीपांशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चयन समिति को प्रभावित किया और टीम में जगह बनाई। वहीं, 53 किलोग्राम भार वर्ग में हिसार की स्टार पहलवान अंतिम पंघाल देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। 57 किलोग्राम भार वर्ग में जींद की मनीषा भानवाला ने

अपनी चुनौती पेश करते हुए बाजी मारी। इसके अलावा, 62 किलोग्राम भार वर्ग में रोहतक की मानसी अहलावत और 68 किलोग्राम भार वर्ग में पानीपत की पहलवान निशा दहिया ने अपनी श्रेणियां जीतीं। 76 किलोग्राम भार वर्ग में जींद की प्रिया मलिक ने दमदार खेल दिखाते हुए एशियाई गेम्स का टिकट हासिल किया। दीपांशी, मनीषा और मानसी रोहतक के छोटूराम स्टेडियम में कोच मनदीप के पास अभ्यास करती है। हरियाणा कुश्ती संघ के

अध्यक्ष रमेश बोहर ने सभी महिला पहलवानों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जब हमारी बेटियां मैट पर उतरती हैं, तो वे सिर्फ मुकाबला नहीं जीततीं, बल्कि यह साबित करती हैं कि हरियाणा की खेल संस्कृति देश में सर्वश्रेष्ठ क्यों है। मुझे पूरा विश्वास है कि ये बेटियां जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भी इसी प्रदर्शन को दोहराएंगी और देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगी। कोच मनदीप ने भी विजेता खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

प्रिया मलिक जींद के निडानी की

मनीषा भानवाला ने 2025 में चौथी रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता। 2016 साउथ एशियन में स्वर्ण पदक, 2017 कॉमनवेल्थ गेम में कांस्य, 2022 वर्ल्ड रैंकिंग में स्वर्ण और 2023 वर्ल्ड रैंकिंग में कांस्य पदक जीता। 2025 में एशियन चैंपियनशिप में चैंपियन बनी हैं। 7 साल बाद कोई भारत की लड़की चैंपियन बनी है। प्रिया मलिक जींद जिले के निडानी गांव की निवासी है। प्रिया ने 2023 में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। पानीपत की निशा दहिया ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है।

दीपांशी ने गोल्ड जीता था

2024 में एशियन चैंपियनशिप में गांव रिठाल निवासी दीपांशी ने स्वर्ण पदक जीता था। मानसी ने बताया कि मेरी बचपन से ही रुचि कुश्ती में थी। जिमनास्टिक के साथ शुरुआत की, क्योंकि घरवाले ने कहा था कि पहले थोड़ा योगा और जिम्नास्टिक कर ले इससे भविष्य में इंजरी का खतरा कम होगा। दो साल जिम्नास्टिक की और कुश्ती खेलना शुरू किया। 2024 में अल्बानिया में हुई सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। तिराना में हुई सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 2023 एशियन गेम्स में भाग लिया।

बोधगया पहुंचे मिन आंग ने महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

बौद्ध विरासत से जुड़े विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया

म्यांमार के राष्ट्रपति ने विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की। साथ ही भारत और म्यांमार के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के और मजबूत होने की प्रार्थना भी की

एजेंसी ▶▶ गयाजी

भारत और म्यांमार के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती देने के उद्देश्य से म्यांमार यूनियन रिपब्लिक के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग शनिवार को बिहार के बोधगया पहुंचे। राष्ट्रपति ने अपने चार दिवसीय भारत दौरे की शुरुआत विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर से की। वे म्यांमार एयरवेज इंटरनेशनल के विशेष विमान से सुबह 8:55 बजे गयाजी एयरपोर्ट पहुंचे। बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन, बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद राष्ट्रपति सीधे बोधगया के लिए रवाना हुए।

4 दिवसीय भारत यात्रा पर आए म्यांमार के राष्ट्रपति

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने बोधगया मंदिर में की पूजा

बोधिवृक्ष और सुजाता मंदिर का भी किया दर्शन

महाबोधि मंदिर में पूजा के बाद राष्ट्रपति ने बोधिवृक्ष का दर्शन किया। इसके बाद उन्होंने मुचलिंदा सरोवर और सुजाता मंदिर का भी भ्रमण किया। बौद्ध धर्म से जुड़े इन महत्वपूर्ण स्थलों के प्रति उन्होंने विशेष श्रद्धा व्यक्त की। बोधगया भ्रमण के दौरान स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। म्यांमार के डेलिगेशन के सदस्य भी उनके साथ मौजूद रहे। बोधगया यात्रा पूरी करने के बाद राष्ट्रपति दोपहर तीन बजे गयाजी एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

मंदिर प्रबंधन ने किया स्वागत

महाबोधि मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन और बौद्ध भिक्षुओं ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। मंदिर के प्रबंधक भिक्षु डॉ. दीनानंद और वरीय भिक्षु डॉ. मनोज ने उन्हें पवित्र खादा पहनाया। राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने महाबोधि मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना की। उन्होंने विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की। साथ ही भारत और म्यांमार के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के और मजबूत होने की प्रार्थना भी की। पूजा के दौरान मंदिर परिसर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

दोनों देशों के रिश्ते मजबूत होंगे

इस अवसर पर बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत और म्यांमार के बीच सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, बौद्ध विरासत तथा पारस्परिक विकास के संबंध लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति की यह यात्रा दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाएगी।

यात्रा साझा बौद्ध विरासत का प्रतीक

विदेश मंत्रालय ने इसे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव का परिचायक बताया। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लिखा कि यह यात्रा भारत और म्यांमार के बीच गहरे आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंधों को दर्शाती है। दोनों देशों के रिश्ते साझा बौद्ध विरासत पर आधारित हैं, जिसने पीढ़ियों से दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से जोड़े रखा है।

महात्मा बुद्ध के शिष्यों के अस्थि अवशेष दिल्ली से मंगोलिया पहुंचे

गजराज ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली। *भारतीय वायुसेना ने बड़े विमान 'गजराज' ने एक अहम मिशन को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई है। भारतीय वायुसेना का बड़ा विमान 'गजराज' शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों को दिल्ली से मंगोलिया ले जाने के मिशन में शामिल रहा। यह मिशन सांस्कृतिक कूटनीति और भारत की सभ्यतागत विरासत के वैश्विक प्रसार का प्रतीक माना जा रहा है। बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध के अवशेषों को ज्ञान, करुणा और मोक्ष के प्रतीक के रूप में अत्यंत श्रद्धा से देखा जाता है। मंगोलिया में इन अवशेषों का प्रदर्शन दोनों देशों के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करता है। 'गजराज' भारतीय वायुसेना का प्रमुख भारी भरकम परिवहन विमान है और इसे आईएल-76एमडी नाम से भी जाना जाता है। महात्मा बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों अरहंत सारिपुत्र और अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेष हैं। इन अवशेषों को मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में 9 जून तक प्रदर्शित किया जाएगा। ये अवशेष यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची स्तूप से जुड़े हैं, जिसे बौद्ध धर्म के सबसे पूजनीय केंद्रों में से एक माना जाता है।*

खबर संक्षेप

ट्रंप की बेटी टिफनी पहुंची अक्षरधाम मंदिर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बुलोस के

साथ अक्षरधाम मंदिर पहुंचीं। भारत के निजी दौरे पर आए दंपति ने मंदिर परिसर देखा और यहां की भव्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक माहौल की सराहना की। करीबी दोस्तों के साथ पहुंचे टिफनी ट्रंप और माइकल बुलोस ने मंदिर में काफी समय बिताया। इस दौरान टिफनी ट्रंप ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि यह यात्रा बेहद शानदार रही। यहां की खूबसूरती अद्भुत है। इस शानदार अनुभव के लिए धन्यवाद।

गोल्ड मेडल जीतकर लौट रहे पैरा एथलीट चिराग की गोली मारकर हत्या

गाजियाबाद। इंटरनेशनल भारतीय पैरा खिलाड़ी चिराग त्यागी की शनिवार को गाजियाबाद में हत्या कर दी गई। हत्या चिराग के साथी खिलाड़ी यश खटिक ने ही की। वारदात के समय चिराग बेंगलुरु में हुई इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल प्रतियोगिता में गोल्ड जीतकर घर लौट रहे थे। इस जीत के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में क्वालिफाई किया था। चिराग का शव हिंडन क्षेत्र में साईं उपवन में मिला। उनकी पीठ पर गोली का निशान था। चिराग त्यागी गाजियाबाद के रहने वाले थे। वह 100 और 400 मीटर दौड़ में भाग लेते थे।

हाइवे पर ट्रक ने गाड़ी को 500 मीटर घसीटा

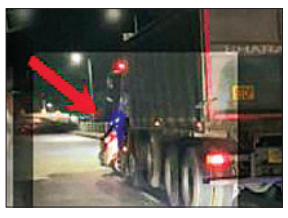

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर में कटक हाइवे से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला दृश्य सामने आया है। यहां भुवनेश्वर से कटक की ओर जा रहे एक ट्रक ने कार को टक्कर मारी और फिर उसे करीब 500 मीटर तक सड़क पर घसीटता ले गया। हाईटेक चौराहे के पास हुई इस घटना से अफरा तफरी मच गई। कार में लोग सवार थे जो बाल बाल बच गए।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी का बड़ा बयान

'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी, जरूरत पड़ी तो 2.0 के लिए भी तैयार: उपेन्द्र

- सेना का थिएटर कमांड सिस्टम जल्द शुरू होगा
- आज दुनिया में सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बदल रही
- पुणे एकेडमी की पासिंग आउट परेड में लिया भाग
- 355 कैडेट अफसरों की परेड की सलामी ली

एजेंसी ▶▶ पूणे

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाएं किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' करने के लिए भी तैयार हैं। सेना प्रमुख पुणे के खड़कवासला में शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) का 150वीं पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। उन्होंने 355 कैडेट अफसरों की परेड की सलामी ली। इस दौरान कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया। पासिंग आउट परेड के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में जनरल द्विवेदी ने कहा कि फिलहाल शत्रुता पर अस्थायी विराम है, लेकिन सेना पूरी सतर्कता के साथ तैयारियों में जुटी हुई है।

वर्तमान में हमारा फोकस तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और भविष्य के युद्धों के लिए खुद को तैयार करने पर है। सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और भविष्य के संघर्ष केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं रहेंगे।

विजय हमेशा दिमाग में हासिल होती है

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि विजय हमेशा दिमाग में हासिल होती है, जमीन पर नहीं। सूचना युद्ध तभी सफल होता है जब पूरा देश एकजुट हो और सही सूचना देने वाले संस्थानों पर भरोसा करे। जिस राष्ट्र के नागरिक एक-दूसरे और अपने संस्थानों पर विश्वास करते हैं, वह युद्ध में हमेशा विजयी होता है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित किया है कि भारत जरूरत पड़ने पर सटीक, संतुलित और निर्णायक जवाब देने में सक्षम है। जब राष्ट्र की इच्छाशक्ति सटीकता और दृढ़ संकल्प के साथ व्यक्त होती है, तो भारत उकसावे का जवाब किस तरह देता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने देश की सैन्य प्रतिक्रिया का नया मानक स्थापित किया है और अब इस मानक को बनाए रखने की जिम्मेदारी युवा सैन्य अधिकारियों की होगी। परेड को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि आज की दुनिया में सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बदल रही हैं। खतरे अब हमेशा वर्दी पहनकर या किसी घोषित मोर्चे से नहीं आते। विवादित ग्रे-जोन से लेकर तेज रफ्तार हाइब्रिड युद्ध तक, मौजूदा सुरक्षा वातावरण में सैनिकों को त्वरित और रणनीतिक सोच के साथ कार्य करना होगा।

अगले 2-3 साल में शुरू हो सकता है सेना का थिएटर कमांड सिस्टम

थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है। अभी भारत में तीनों सेनाओं के अलग-अलग कुल 17 कमांड हैं।

वाइस एडमिरल संजय ने किया डब्ल्यूएनसी के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' का पदभार ग्रहण

मुंबई (भाषा)। वाइस एडमिरल संजय वात्सायन ने महत्वपूर्ण पश्चिमी नौसैन्य कमान (डब्ल्यूएनसी) के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' के रूप में शनिवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन से पदभार ग्रहण किया, जो 31 मई से अगले नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। इस संबंध में एक बयान में कहा गया कि पश्चिमी नौसैन्य कमान के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, वात्सायन ने नौसेना मुख्यालय में नौसेना स्टाफ के 47वें वाइस चीफ के रूप में कार्य किया, जहां वह भारतीय नौसेना के क्षमता विकास और भविष्य की तैयारियों के लिए जिम्मेदार थे। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, पुणे के पूर्व छात्र, फ्लैग ऑफिसर को एक जनवरी, 1988 को भारतीय नौसेना में नियुक्ति मिली थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने कहा

मतदाता सूची में पात्र ही लोग, एसआईआर सुप्रीम कोर्ट की जांच में भी खरा उतरा

केवल अपात्रों को हटाया जा रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को कहा कि भारत के ऐसे सभी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जा रहा है, जिनकी आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है। जो लोग पात्र नहीं हैं उनके नाम व्यवस्थित रूप से हटाए जा रहे हैं। इनमें मृत, दोहराए गए नाम वाले, अनुपस्थित, स्थानांतरित और विदेशी मतदाता शामिल हैं। वे केंद्रीय निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

एसआईआर में 11 लाख अधिकारी तैनात

उन्होंने कहा कि इस कार्य को 11 लाख से अधिक बूथ-स्तर के अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और अन्य अधिकारी पूरा कर रहे हैं। ये राज्य सरकारों के कर्मचारी हैं, जिन्हें प्रतिनियुक्ति पर लगाया गया है। सभी दुनिया की सबसे सटीक मतदाता सूचियों में से एक तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की पीठ सुनाएगी फैसला

दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिला को मंदिर जाने से ही रोका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक पारसी महिला के साथ कथित धार्मिक भेदभाव के मामले में कहा है कि वह इस मुद्दे पर फैसला देने से पहले 9 जजों की संविधान पीठ के निर्णय का इंतजार करेगा। मामला उस पारसी महिला से जुड़ा है जिसने दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी की, लेकिन अपना धर्म नहीं बदला। उसे नागपुर के अग्नि मंदिर में प्रवेश से रोक दिया गया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला महिलाओं के धार्मिक अधिकारों और समानता से जुड़ा बड़ा संवैधानिक सवाल है।

सीजेआई की बेंच करेगी सुनवाई

पीठ में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल थे। अदालत दीना बुधराजा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

बाजार से विदेशी निवेशकों का मोहभंग?

सिर्फ मई में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 32,963 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार तीसरे महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से हजारों करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई 2026 में भारतीय शेयर बाजार से 32,963 करोड़ रुपए की भारी-भरकम निकासी की है। इसके असर से इस वर्ष में अब तक सेंसेक्स में 12.5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। यह 86100 के ऊपरी स्तरों से फिसलकर 74,775के स्तर तक पहुंच गया है। इस दौरान निफ्टी में भी करीब 10 से 11 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह अपने उच्चतम स्तर 26,373.20 से धड़ाम होकर 25,500 के स्तर पर पहुंच गया है।

संघ के प्रचार प्रमुख आंबेकर का दावा

1947 में संघ मजबूत होता तो नहीं बंटता भारत

तब भी संघ ने प्रभावित हिंदुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और उन्हें दोबारा बसाने में मदद की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आरएसएस प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि अगर 1947 में संघ अधिक मजबूत होता तो भारत का बंटवारा नहीं होता। उन्होंने संघ की भूमिका, संवाद और पाकिस्तान संबंधों पर भी अपनी बात रखी। मीडिया से बातचीत में आंबेकर ने कहा कि जब भारत को आजादी मिली थी, उस समय संघ उतना मजबूत नहीं था जितना वह बनना चाहता था या जितना आज है। उनका कहना था कि अगर उस समय संघ की ताकत ज्यादा होती, तो देश का बंटवारा रोका जा सकता था। विभाजन के दौरान संघ ने अपनी क्षमता के अनुसार लोगों की मदद की। संघ ने खास तौर पर हिंसा और अशांति से प्रभावित हिंदुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और उन्हें दोबारा बसाने का काम किया।

दुनिया के मंच पर दिखा भारत का दम

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- भारत 'महाशक्ति' हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बना रहा

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सिंगापुर में कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना को आधुनिक बना रहा है। भारत खासतौर पर हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बनाए रखने में मदद कर रहा है। सिंगापुर में हर साल एक बड़ी सुरक्षा बैठक होती है जिसे शांगरी-ला संवाद कहते हैं। इसमें दुनियाभर के रक्षा मंत्री और सेना के बड़े अधिकारी आते हैं। इस साल 44 देश इसमें शामिल हुए। शनिवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यहां भाषण दिया।

भारत-अमेरिका मिलकर सैन्य हथियार और उपकरण बनाएंगे

पीट हेगसेथ ने कहा कि भारत बड़ी और भारी सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी फैक्ट्री और सप्लाई की व्यवस्था तैयार कर रहा है। अमेरिका ने भारत के साथ मिलकर हथियार और सैन्य उपकरण बनाने का वादा किया है। इसे को-प्रोडक्शन कहते हैं यानी दोनों देश साथ मिलकर बनाएंगे।

इंको-पैसिफिक में किसी का दबाव नहीं चलेगा

हेगसेथ ने कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र यानी इंडो-पैसिफिक दुनिया का सबसे अहम इलाका है। अमेरिका इस इलाके में शांति और संतुलन बनाए रखना चाहता है। वह नहीं चाहता कि कोई एक देश पूरे इलाके पर अपना दबदबा बना ले। उन्होंने सीधे चीन का नाम लेते हुए कहा कि कोई भी देश, चीन सहित, इस इलाके में अपना वर्चस्व नहीं थोप सकता।

सिंगापुर में भारत ने रक्षा कूटनीति को गति दी

रक्षा सचिव ने ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ और नीदरलैंड के अधिकारियों से की मुलाकात

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शनिवार को सिंगापुर में 'शांगरी-ला डायलाग' से इतर ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ और नीदरलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग-अलग वार्ता की। भारत ने प्रमुख हिंद-प्रशांत और यूरोपीय साझेदारों के साथ रक्षा कूटनीति को गति दी है। सिंह की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा सचिव मेघन क्विन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की, आगामी उच्चस्तरीय बैठकों पर चर्चा की और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर विमर्श किया। हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है, जहां से वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। भारत के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र उसकी सुरक्षा रणनीति का मूल है, जिसके रणनीतिक हित मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर फारस की खाड़ी तक फैले हुए हैं।

नीदरलैंड के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाएगा भारत: रक्षा सचिव

नीदरलैंड की रक्षा मंत्री और राजेश कुमार

सिंह ने नीदरलैंड के रक्षा मंत्री दिलन येसिलगोज-जेगेरियस से भी बातचीत की। चर्चा का मुख्य विषय द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाना, सैन्य संबंधों को मजबूत करना और रक्षा औद्योगिक सहयोग के अवसरों की खोज करना था, जो दोनों पक्षों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। सिंह ने यूरोपीय विदेश कार्रवाई सेवा की महासचिव बेलेन मार्टिनेज कार्बोनल और यूरोपीय संघ सैन्य समिति के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एनरिको बरदुवानी से भी मिले।

फूड रेटिंग प्लेटफॉर्म टेस्टएटलस ने जारी की विश्व की 100 चायों की सूची

दुनिया पर छाई भारत की 'मसाला चाय', पहले पायदान पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हमारे देश में अधिकतर लोगों की शुरुआत चाय से होती है, हालांकि सिर्फ भारत में ही नहीं विदेश में भी लोग चाय के दीवाने हैं। हालांकि अब दुनिया भी वो बात मान गई है जो हम सालों से जानते थे, यहीं की मसाला चाय दुनिया की सबसे बेहतरीन चाय है। हाल ही में प्रसिद्ध फूड रेटिंग प्लेटफॉर्म टेस्टएटलस ने दुनिया भर की 100 बेस्ट चाय की सूची जारी की है, जिसमें भारतीय मसाला चाय को पहला स्थान मिला है। यह खबर पूरे देश के लिए गर्व की बात है। हम में से काफी लोग मसाला चाय पीना पसंद करते हैं, ये सिर्फ एक ड्रिंक नहीं, बल्कि भावनाओं का मिश्रण है। मसाला चाय में अदरक, इलायची, दालचीनी, लौंग और काली मिर्च का मिश्रण होता है।

मसाला चाय में अदरक इलायची, दालचीनी लौंग और काली मिर्च का मिश्रण होता है

100 में से 6 भारतीय चायों का जलवा

- नंबर 01 पर - मसाला चाय
- नंबर 06 पर - दार्जिलिंग चाय
- नंबर 13 पर - असम चाय
- नंबर 39 पर - सुलैमानी चाय (केरल)
- नंबर 41 पर - कांगड़ा टी (हिमाचल प्रदेश)
- नंबर 43 पर - नून चाय (जम्मू-कश्मीर)

दुनिया की अन्य खास चाय

- नंबर 02 पर - होजिचा (जापान)
- नंबर 03 पर - सीलोन ब्लैक टी (श्रीलंका)
- नंबर 04 पर - सेंचा (जापान)
- नंबर 05 पर - पुएरह टी (चीन)

भारतीय मेहमान नवाजी का बड़ा हिस्सा

मसाला चाय सिर्फ एक ड्रिंक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मेहमाननवाजी का बड़ा हिस्सा है। ये हमारे रिवाज, बातचीत शुरू करने का तरीका, काम के बीच ब्रेक, रेलवे स्टेशन का साथी और कभी-कभी मुफ्त थेरेपी भी है। सूची को देखकर पता चलता है कि भारत की चाय को लोग कितना पसंद करते हैं। कहीं मसालेदार मसाला चाय, कहीं फूलों जैसी खुशबू वाली दार्जिलिंग, कहीं मजबूत असम चाय, तो कहीं नमकीन गुलाबी नून चाय ने सभी के दिलों में जगह बनाई।

12 वर्षों में भारत के चाय निर्यात में 93% की छलांग: मंत्री गोयल

भारत का चाय निर्यात बीते 12 वर्षों में वित्त वर्ष 2025-26 तक 93 प्रतिशत बढ़कर 8,719 करोड़ रुपए रहा है, जो कि वित्त वर्ष 2013-14 में 4,509 करोड़ रुपए था। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से दी गई। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि चाय एक भावना है और अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर इसे व्यक्त करने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है! पूरे भारत में, चाय सिर्फ एक पेय पदार्थ नहीं है, बल्कि यह रोजमर्रा की जिंदगी, बातचीत और परंपराओं का एक अभिन्न अंग है। दार्जिलिंग की पहाड़ियों से लेकर असम की घाटियों और नीलगिरी के बागानों तक, हर क्षेत्र चाय के एक कप में अपना अनूठा स्वाद, सुगंध और विशेषता जोड़ता है!

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28